RNI No. MAHHIN/2008/24974, Postal Regd No. MCS-206/2025-27, License to post without payment **MR/Tech/WPP-287/South/2025-27**
Post at Mumbai Patrika Channel Stg. Office, Mumbai G.P.O., Mumbai- 01. Posting Date : 14-15 Every Month, Publishing Date : 14 Every Month

आभूषण टाइम्स

वर्ष : 18 | अंक : 07 | सितम्बर 2025 | मासिक | पृष्ठ : 44 | मूल्य : ₹50

SHANTI GOLD
International Ltd.
Be Unique,
Be Special,
Be Pretty
9819514517
Andheri East
order@shantigold.in
www.shantigold.in

ace TECH 2025
MUMBAI
06 07 08 09 NOV'25
HALL 1 STALL NO.B-1-2
BOMBAY EXHIBITION CENTRE, GOREGAON

GM
SWITCH TO A BETTER WORLD

THE NEW ERA OF DIGITAL LUXURY

essence
dawn of digital luxury

Essence Series redefines digital luxury for spaces with sleek geometric arcs, frosted finishes, and inspired duality like dawn and dusk. Featuring smart controls like Google and Alexa integration and innovative Master ON/OFF, it blends elegance with intelligence. Honoured with the prestigious Red Dot Award for Design and Innovation, it stands as a timeless icon of modern sophistication. Experience the beauty of Essence Series at **ACETECH** Mumbai, 6th to 9th November 2025, Bombay Exhibition Centre, Goregaon.

reddot winner 2023
design concept

reddot winner 2024
product design

reddot winner 2024
design concept

Modular Switches • Touch Switches • Wi-Fi Switches • Home Automation Solutions • Bluetooth Music System
Video Door Phones • LED Lighting • Wires & Cables • PVC Pipes & Fittings • DBs, MCBs & RCCBs • Fans & Appliances

www.gmmodular.com | info@gmmodular.com

गोल्ड और सिल्वर के बढ़ते रेट्स और ज्वेलरी मार्केट में हलचल

गोल्ड और सिल्वर की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, जिससे ज्वेलरी मार्केट में हलचल मची हुई है। ज्वेलरी शोरूम्स में ग्राहकों की भीड़ कम हो गई है और ज्वेलर्स के माथे पर चिंता की लकीरें साफ दिख रही हैं। हालांकि, इस स्थिति में धैर्य बनाए रखना बेहद ज़रूरी है। यह सच है कि गोल्ड और सिल्वर की बढ़ती कीमतें ग्राहकों को ज्वेलरी की खरीदारी से रोक रही हैं, लेकिन चिंता करने की जरूरत नहीं है क्योंकि यह स्थिति स्थायी नहीं है। 'आभूषण टाइम्स' ज्वेलरी मार्केट की चिंताओं से वाकिफ है, मगर यह भी सच है कि भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में गोल्ड का सांस्कृतिक से ज्यादा बड़ा आर्थिक महत्व है। गोल्ड सिर्फ एक मेटल नहीं है, बल्कि यह एक निवेश, सामाजिक प्रतिष्ठा और परंपराओं का प्रतीक भी है और अर्थव्यवस्था को बैलेंस करने का साधन भी। सो, आभूषण टाइम्स का दावा है कि चाहे गोल्ड कितना भी महंगा हो जाए, लोग इसे खरीदना बंद नहीं करेंगे। वर्ष 2025 में गोल्ड की कीमतों में लगातार तेज़ी देखी जा रही है, और विशेषज्ञों का मानना है कि यह तेज़ी साल के अंत तक भी जारी रहेगी। कुछ विशेषज्ञों का तो यह भी अनुमान है कि इस साल के अंत तक गोल्ड केरेट्स 1 लाख 25 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के आंकड़े को पार कर सकते हैं। इस तेज़ी के पीछे कई वास्तविक और जटिल कारण हैं जो केवल बाज़ार की मांग से कहीं ज़्यादा हैं। सबसे पहले, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता एक प्रमुख कारक है।

> "वर्ष 2025 में गोल्ड की कीमतों में लगातार तेज़ी देखी जा रही है, और विशेषज्ञों का मानना है कि यह तेज़ी साल के अंत तक भी जारी रहेगी। कुछ विशेषज्ञों का तो यह भी अनुमान है कि इस साल के अंत तक गोल्ड केरेट्स 1 लाख 25 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के आंकड़े को पार कर सकते हैं। इस तेज़ी के पीछे कई वास्तविक और जटिल कारण हैं जो केवल बाज़ार की मांग से कहीं ज़्यादा हैं।"

दुनिया भर के देशों के बीच राजनीतिक तनाव भी गोल्ड की कीमतों को बढ़ा रहे हैं। दुनिया के कई हिस्सों में चल रहे संघर्ष और राजनीतिक अस्थिरता निवेशकों को जोखिम भरी संपत्तियों से दूर रखती है और उन्हें गोल्ड में निवेश करने के लिए प्रेरित करती है। इसके अलावा, केंद्रीय बैंकों द्वारा गोल्ड की खरीद में लगातार वृद्धि भी एक महत्वपूर्ण कारण है। दुनिया भर के कई देशों के केंद्रीय बैंक अपने विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ाने के लिए गोल्ड खरीद रहे हैं, जिससे इसकी मांग बढ़ रही है। जब दुनिया भर में आर्थिक स्थिरता पर सवाल उठते हैं, तो निवेशक सुरक्षित निवेश के तौर पर गोल्ड की ओर रुख करते हैं। गोल्ड को हमेशा एक सुरक्षित आश्रय माना गया है, जो मुद्रास्फीति अर्थात महंगाई और बाज़ार में उतार-चढ़ाव के खिलाफ अर्थव्यवस्था को एक कवच प्रदान करता है।

सिल्वर की कीमतें भी 2025 में लगातार तेज़ी दिखा रही हैं, जिससे बाज़ार में एक नया परिदृश्य सामने आया है। जहां यह तेज़ी निवेशकों के लिए मुनाफे का सौदा साबित हो रही है, वहीं उपभोक्ताओं और ज्वेलरी खरीदारों के लिए यह एक बड़ी चुनौती है। अगस्त 2025 के अंत तक अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में सिल्वर की कीमतें 1 लाख 15 हजार रुपये प्रति किलो से ऊपर रहीं, और सितंबर की शुरुआत में ही ये सवा लाख के पार पहुंच गईं। सिल्वर की इस तेज़ी के पीछे कई कारण हैं, जिनमें औद्योगिक मांग सबसे महत्वपूर्ण है। सिल्वर का उपयोग केवल ज्वेलरी में ही नहीं, बल्कि कई अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में भी होता है। वैश्विक स्तर पर ग्रीन एनर्जीऔर टेक्नोलॉजी के बढ़ते चलन ने सिल्वर की औद्योगिक मांग को बहुत बढ़ा दिया है। इसके अलावा, निवेश के रूप में भी सिल्वर की लोकप्रियता बढ़ रही है, क्योंकि कई निवेशक इसे गोल्ड के एक सस्ते और आकर्षक विकल्प के रूप में देख रहे हैं। यह भी एक कारण है कि निवेशक अब बड़े पैमाने पर सिल्वर की खरीद कर रहे हैं, जिससे इसकी कीमतें आसमान छू रही हैं। हालांकि, ज्वेलरी बाज़ार के लिए यह एक मुश्किल समय है, लेकिन सिल्वर की औद्योगिक मांग से बाज़ार को भविष्य में भी लाभ मिलने की संभावना है।

'आभूषण टाइम्स' सदा आपके साथ खड़ा रहा है, तथा वर्तमान परिस्थितियों में भी आपके साथ है। हमारा यही कहना है कि ज्वेलर्स को आज की स्थिति भले ही चुनौतीपूर्ण लगें, लेकिन हर ज्वेलर को चिंता करने की बजाय धैर्य रखने की ज़रूरत है। 'आभूषण टाइम्स' को बाजार की धड़कनों का पता है, कि गोल्ड और सिल्वर महंगे होने से ज्वेलरी के ग्राहकों की संख्या कम हुई है, लेकिन हमारा यही कहना है किबाज़ार का यह दौर हमेशा के लिए नहीं है। इतिहास गवाह है कि आर्थिक उतार-चढ़ाव आते-जाते रहते हैं, लेकिन गोल्ड और सिल्वर का महत्व हमेशा बना रहता है। दुनिया के हर देश को अपनी अर्थव्यवस्था को संतुलित करने के लिए गोल्ड और सिल्वर की ज़रूरत होती है। भारतीय बाज़ार की बात करें तो, यहां गोल्ड और सिल्वर का महत्व सिर्फ आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक भी है। शादियों, त्यौहारों और अन्य शुभ अवसरों पर गोल्ड-सिल्वर की खरीद एक परंपरा है, जिसे लोग कभी नहीं छोड़ेंगे। इसलिए, यह निश्चित है कि बाज़ार फिर से चमकेगा और गोल्ड व सिल्वर की ज्वेलरी में ग्राहकी फिर से खुलेगी। 'आभूषण टाइम्स'का आपके केवल यही कहना है कि गोल्ड व सिल्वर के बढ़ते रेट्स के बीच ज्वेलरी बाज़ार की यह मंदी अस्थायी है, और जैसे ही वैश्विक आर्थिक स्थिरता वापस आएगी, ज्वेलरी की खरीदारी भी फिर से बढ़ेगी। इसलिए, सकारात्मक रहें और विश्वास रखें कि बाज़ार फिर से अपने पुराने गौरव को हासिल करेगा।

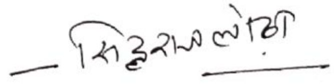

सिद्धराज लोढ़ा

FOLLOW US

@SHRINGARMANGALSUTRA

Shringar ©

HOUSE OF MANGALSUTRA

MUMBAI | DELHI

New Collections

Showcasing

INDIA'S FINEST MANGALSUTRA COLLECTIONS

In

18KT | 22KT | 24KT

Meet Us at

JEWELLERY & GEM DELHI

13TH TO 15TH SEP 2025

STALL NO J 14

PRAGATI MAIDAN, NEW DELHI

GJS

INDIA GEM & JEWELLERY SHOW
A GRAND BUSINESS TO BUSINESS EXPO

16TH TO 19TH SEP 2025

STALL NO 1H22_1H24_1H26 1I21_1I23_1I25

JIO WORLD CONVENTION CENTRE, MUMBAI

FOR READY STOCK SELECTION PLEASE VISIT

www.shringarms.com

संपादक
सिद्धराज लोढ़ा

प्रबंध संपादक
राकेश लोढ़ा

सह संपादक
अखिल लोढ़ा
कुणाल लोढ़ा

डिजाइन
रवि गोरुले
कमलाकर तावडे

प्रिन्टर
प्रतिक ऑफसेट, मुंबई

सेल्स एवं ऑफिस प्रबंधक
सुरेश बोर्ले
हरिशंकर लोधी

प्रतिनिधि
दिनेश त्रिवेदी
08765908424

आभूषण टाइम्स

407, कालबादेवी रोड़,
दौलत भवन, दुसरा माला,
ऑफिस नं. 203 मुंबई - 400 002.

Tel.: 022-2201 7091 / 022-2240 0338
E:mail:. aabhusantimes@gmail.com
Visit on us:. www.aabhusantimes.com

आभूषण टाइम्स

मासिक

भारत की नंबर वन ज्वेलरी बिजनेस मैगजीन

वर्ष: 18 | अंक: 07 | सितम्बर 2025

04 गोल्ड और सिल्वर के बढ़ते रेट्स और ज्वेलरी मार्केट में हलचल

08 गोल्ड में तेजी बरकरार
ज्वेलरी में ग्राहकी धीमी, मगर बुलियन में तेजी

14 दुनिया भर में ज्वेलरी का बढ़ता बिजनेस
भारतीय ज्वेलर्स को भी अपनी सोच विकसित करना जरूरी

18
- अमेरिका के 50 प्रतिशत टैरिफ से भारतीय रत्न -आभूषण क्षेत्र पर असर - संयम मेहरा
- राजस्थान के नगीनों की चमक फीकी करेगा शुल्क

21 गोल्ड ने 2025 में दिया 40 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न
अगले साल तक कीमतें 1.25 लाख के पार जा सकती हैं

24 सिल्वर की लगातार निखरती चमक
सितंबर में सवा लाख पार, और इसी साल डेढ़ लाख

33 दुनियाभर में कच्चे हीरे की कमी से डायमंड इंडस्ट्री परेशान
हीरे की कीमत में 35 प्रतिशत तक का इजाफा

35 सोने का राजतिलक 30 साल में पहली बार
ट्रंप की क्यों बढ़ेगी टेंशन?

38 अमेरिकी टैरिफ से संकट में सूरत का हीरा उद्योग

39
- ज्वेलरी में इस साल क्या है नया ट्रेंड? सोना-चांदी या डायमंड
- क्या GST रिफॉर्म से क्या आम जनता को मिलेगी राहत?

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक लोढ़ा सिद्धराज सोहनराजजी द्वारा फ्लॅट नं. 702, 7वां माला, प्राइम रोज, स्वरूप को.हॉ.सोसायटी, अंधेरी (वेस्ट), मुंबई-400058, 407 कालबादेवी रोड, दौलत भवन, दुसरा माला, ऑफिस नं. 203, मुंबई - 400002, से प्रकाशित कर प्रतिक ऑफसेट, 180 सी, गायवाडी, कर्नाक कंपाउंड, गिरगांव, मुंबई 400004 से मुद्रित। सभी विवादों का न्यायक्षेत्र मुंबई रहेगा।

LAXMI
DIAMONDS
BENGALURU

Where craftsmanship meets perfection

For Any Business Enquiry Call Mr.Laxman +91 9380888030

LAXMI IMPERIAL PVT LTD

A leading manufacturer of closed setting diamond jewellery

www.laxmidiamonds.com

गोल्ड में तेजी बरकरार

ज्वेलरी में ग्राहकी धीमी, मगर बुलियन में तेजी

राकेश लोढ़ा

गोल्ड के रेट्स में 2025 में लगातार तेजी देखी जा रही है, जो निवेशकों के लिए खुशी की वजह बनी हुई है, लेकिन सामान्य उपभोक्ताओं और ज्वेलरी खरीदारों के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो रही है। अगस्त 2025 के अंत तक अंतरराष्ट्रीय बाजार में गोल्ड की कीमतें 3400 से 3500 प्रति औंस के बीच घूमती रही, जो भारतीय मार्केट में गोल्ड को सीधे 1 लाख 6 हजार के भी पार लेकर आगे बढ़ गई। इस साल की शुरुआत से अब तक के केवल 8 महीनों में गोल्ड में लगभग 28 प्रतिशत की बढ़ोतरी दिखा रही है। लेकिन इस सबके बीच हमारे ज्वेलर्स बेहत दबाव हैं। ज्वेलरी में ग्राहकी है नहीं और भले ही आइआइजेएस ज्वेलरी एग्जिबिशन बहुत ही शानदार रहा, मगर उसके बाद गोल्ड के रेट्स में अचानक बहुत ही तेज बढ़ोतरी आने से बाजार से ज्वेलरी के ग्राहक गायब हैं। लेकिन इसके विपरीत बुलियन में ग्राहकी चल रही है, क्योंकि निवेशकों में उत्साह तथा विश्वास दोनों है क्योंकि गोल्ड में भविष्य की उज्जवल संभावनाओं से निवेशक जरूर आकर्षित हो रहे हैं।

भारतीय समाज में, गोल्ड सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व रखता है। गोल्ड के रेट्स में यह उछाल निवेशकों को आकर्षित कर रहा है, क्योंकि गोल्ड ने अन्य एसेट क्लास जैसे स्टॉक या बॉन्ड्स की तुलना में बहुत ही बेहतर रिटर्न दिए हैं। उदाहरण के लिए, वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की रिपोर्ट के अनुसार, 2025 की पहली छमाही में गोल्ड ने अमेरीकी डॉलर की गणनामें 26 प्रतिशत रिटर्न दिया, जो निवेशकों को सुरक्षित निवेश के रूप में अब भी आकर्षित कर रहा है, क्योंकि इसके लगातार और ऊपर जाने के संकेत साफ दिख रहे हैं। निवेशक, खासकर संस्थागत और रिटेल इनवेस्टर्स, गोल्ड ईटीएफ और

गोल्ड के लगातार तेजी पकड़े रहने के वास्तविक कारणों का विश्लेषण करने वालें एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह तेजी बरकरार रहेगी और साल के अंत तक 1 लाख 15 हजार के पार भी पहुंच सकती है। गोल्ड की कीमतों में 2025 की लगातार तेजी के पीछे कई वास्तविक कारण हैं, जो आर्थिक, जियोपॉलिटिकल और मार्केट डायनामिक्स से जुड़े हैं।

फ्यूचर्स में बढ़ी हुई दिलचस्पी दिखा रहे हैं, क्योंकि यह मुद्रास्फीति और जियोपॉलिटिकल अनिश्चितताओं से बचाव की ताकत देता है।

हालांकि, ज्वेलरी की ग्राहकी यानी उपभोक्ता स्तर पर खरीदारी में धीमापन आया है। गोल्ड के रेट्स में बहुत ही जेती के साथ बढ़ी उच्च छलांग के कारण ज्वेलरी की डिमांड में 50 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, जैसा कि वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की 2025 के दूसरे क्वार्टर की रिपोर्ट में उल्लेखित है। वैश्विक जानकारों के मुताबिक भारतीय बाजार में गोल्ड की कुल डिमांड 2025 में बड़े पैमाने पर तक गिर सकती है, जो पिछले 5 सालों का सबसे निचला स्तर होगा। कारण स्पष्ट है क्योंकि गोल्ड के रेट्स में रिकॉर्ड हाई लेवल ने आम उपभोक्ताओं को असमंजस में डाल दिया है। लोग सोच रहे हैं कि क्या गोल्ड अभी खरीदें या उसकी कीमतें गिरने का इंतजार करें। त्यौहारों के सीजन जैसे दीपावली से पहले बाजारों में नई तैयारी शुरू हो गई है, लेकिन गोल्ड जेवलरी की बनावट में डिस्काउंट्स बढ़ाने पड़ सकते हैं ताकि खरीदारों को लुभाया जा सके।

गोल्ड के मामले में भारतीय बाजारों में भी आम तोर पर काफी दबाव का ट्रेंड है जहां माना जा रहा है कि गोल्ड के प्रति औंस 3500 अमरीकी डॉलर से ऊपर की कीमतों ने डिमांड को दबा दिया है। भारत में, गोल्ड इंपोर्ट पर निर्भर करता है। हमारे देश में इसके उच्च कीमतें इंपोर्ट केलेवल को कम कर रही रही हैं, जो ट्रेड डेफिसिट को प्रभावित कर सकता है। फिर डॉलर के रेटेस भी लगातार आसमान छू रहे हैं, तो गोल्ड के रेट्स कम होने आसान नहीं है।ऐसे में गोल्ड में बहुत पहले निवेश कर चुके कमाई करने वाले निवेशकों की खुशी के बावजूद, ज्वेलरी सेक्टर में स्लोडाउन से रोजगार और छोटे व्यापारियों पर असर पड़ रहा है। मुंबई सहित देश भर के ज्वेलर्स हैरान है कि बाजार से ग्हारकी मंदी की तरफ बढ़ रही है। कुल मिलाकर, ज्वेलरी के बाजार में असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

इंटरनेशनल मार्केट में आने वाले वक्त में इस साल के अंत तक गोल्ड के रेट्स कहां तक जाएंगे, इस पर ज्यादातर एक्सपर्ट तेजी की तरफ ही एकमत हैं। इंटरनेशनल मार्केट में गोल्ड की कीमतें 2025 के अंत तक कुछ और ऊपर जाने की संभावनाएं जताई जा रही हैं, और ज्यादातर एक्सपर्ट्स इस पर सहमत हैं कि आने वाले कुछ ही महीनों

में गोल्ड इंटरनेशनल मार्केट 3500 से बहुत आगे जाकर 3700 अमरीकी डॉलर प्रति औंस का स्तर छू सकते हैं। गोल्ड के इंटरनेशनल मार्केटके एक रिसर्च के अनुसार, 2025 के अंत तक गोल्ड 3675 अमरीकी डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकता है, जो ट्रेड अनिश्चितताओं और जियोपॉलिटिकल रिस्क्स पर आधारित है। इसी तरह, गोल्डमैन रिसर्च ने अपना अनुमान कई बार रिवाइज किया है और अब 3700अमरीकी डॉलर प्रति औंस का लक्ष्य रखा है। UBS का पूर्वानुमान 3500 अमरीकी डॉलर प्रति औंसहै, जबकि इनवेस्ट हेवन 3500 अमरीकी डॉलर प्रति औंसका लक्ष्य दे रहा है, जो 2026 में 3900 अमरीकी डॉलर प्रति औंसतक बढ़ सकता है।

इंटरनेशमल मार्केट में गोल्ड एनालिस्ट्स का औसत अनुमान 2025 के अंत तक कुछ नीचे आने के मामले में गोल्ड के रेट्स 3324 अमरीकी डॉलर प्रति औंसतक अल्प समय के लिए नीचे ऊपरतने के संकेत दे रहे है, साथ ही उनका यह भी कहना है कि साल के अंत में यह 27 प्रतिशत ऊपर यानी 3500 अमरीकी डॉलर प्रति औंससे ज्यादा भी हो सकता है। बुलियन वॉल्ट्स के सर्वे में भी तेजी बताई जा रही है। गोल्ड मार्केट के इंटरनेशनल एक्सपर्ट्स का मानना है कि फेडरल रिजर्व के रेट कट्स, कमजोर अमरीकी डॉलर और सेंट्रल बैंक खरीदारी इस बढ़ोतरी को सपोर्ट करेगी। उदाहरण के लिए, लाइट फाइनेंसके एनालिस्ट्स भले ही नीचले स्तर पर 3292 अमरीकी डॉलर प्रति औंसका अनुमान दे रहे हैं, लेकिन मिक्स्ड फोरकास्ट्स में ज्यादातर मार्केट तेजी के मामले में बेहद पॉजिटिव हैं। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के एक्सपर्ट्स का कहना है कि 2025 में गोल्ड की कीमतें स्थिर रहेंगी, लेकिन कुछ वक्त के लिए अमरीकी डॉलर में उतार - चढ़ाव के कारण ये रेट्स कुछ कट होने के मामले में क्राइसिस में बढ़ा सकते हैं।

कुल मिलाकर, ज्यादातर एक्सपर्ट्स अमरीकी डॉलर प्रति औंस3500 से 3700 के रेंज में गोल्ड के रेट्स के मामले में सहमत हैं। हालांकि कुछ असहमति के स्वर गोल्ड मेरैट्स के मामले में अनुमान 3200 से 3300 अमरीकी डॉलर प्रति औंसत नीचे उतरने के संकेत भी दे हैं। यह पूर्वानुमान ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन की टैरिफ पॉलिसीज और ग्लोबल इकोनॉमिक स्लो डाउन पर निर्भर हैं। यदि अमरीकी डॉलर केरेट कट्स होते हैं, तो गोल्ड 3700 अमरीकी डॉलर प्रति औंसका अब तक का सबसे अहम आंकड़ा पार कर सकता है, लेकिन यदि इकोनॉमी रिकवर होती है, तो गोल्ड पर थोड़ा सा दबाव पड़ सकता है। फिर भी भारत में उसके रेट 1 लाख रुपए से नीचे नीचे जाने के

सुरेश जैन
रॉयल चेन्स

भारत में गोल्ड की डिमांड इन दिनों कम दिख रही है, ज्वेलर्स हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं तथा बाजार में ग्राहकी धीमी है। लेकिन गोल्ड के रेट्स बढ़ने में आने वाले दिनों में ग्लोबल फैक्टर्स इसमें और बढ़ोतरी करेंगे। सो, साल के अंत तक गोल्ड1 लाख 15 हजार तक तक जा सकता है।

आसार बेहद कम ही माने जा रहे हैं। गोल्ड में दुनिया भर में तेजी के सबसे प्रमुख कारण जियोपॉलिटिकल टेंशन्स हैं, जैसे डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ पॉलिसीज, जो ट्रेड वॉर्स को बढ़ावा दे रही हैं। अमरीकी कोर्ट के ट्रंप के टैरिफ पर कड़े शब्दों के बाद भी सुधार न होना इस बात का संकेत है कि गोल्ड पर दुनिया की इकॉनोमी टिकी है, तो फिर कम होना असंभव सा लगता है। वैश्विक गोल्ड मार्केट के कई रिसर्चर्स का दावा है कि, ताजा हालात सेंट्रल बैंक्स को गोल्ड रिजर्व्स बढ़ाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। सेंट्रल बैंक खरीदारी रिकॉर्ड स्तर पर है, तथा वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की रिपोर्ट में 2025 में जियोपॉलिटिकल अनिश्चितता, स्टॉक मार्केट वोलेटिलिटी और अमरीकी डॉलर की कमजोरी को गोल्ड में तोजी का प्रमुख ड्राइवर्स बताया गया है। गोल्ड में तेजी का दूसरा कारण वैश्विक स्तर पर लगभग सभी देशों की मुद्रास्फीति और इंटरेस्ट रेट कट्स की उम्मीदें हैं। इंटरनेशनल एक्सपर्ट्स का कहना है कि किसी भी तरह की क्राइसिस में गोल्ड की डिमांड बढ़ती है, जो उसकी कीमतें ऊपर ले जाती हैं।

ट्रेड अनिश्चितताओं को हाईलाइट करते हुए गोल्ड मार्केट के विश्लेषक बताते हैं कि अमरीकी डॉलर की वैश्विक कमजोरी और रेंजबाउंड रेट्स ने इन्वेस्टमेंट डिमांड को बूस्ट दिया है। एशियन मार्केट्स में रिटेल बाइंग और ईटीएफ इनफ्लोज ने भी गोल्ड की कीमतें 3500 अमरीकी डॉलर प्रति औंसत पहुंचाने में भारी मदद की हैं। तीसरा कारण भी अहम है कि सॉवरेन डेब्ट कंसर्न्स और मिलिट्री एस्केलेशन्स गोल्ड को सेफ हेवन बनाते हैं। स्टेट्स स्ट्रीट ग्लोबल एडवाइजर्स की रिपोर्ट में सेंट्रल बैंक डिमांड को दशक भर की सबसे बड़ी तेजी बताया गया है। हमारे देश भारत में भी रिजर्व बैंक ऑफ इंडियाके गोल्ड रिजर्व्स बढ़ने से गोल्ड की डिमांड में सपोर्ट मिल रहा है। इस तरह के इंटरनेशनल विश्लेषणों से स्पष्ट है कि शॉर्ट टर्म के थोड़े से उतार - चढ़ाव के बावजूद गोल्ड अपनी तेजी को बनाए रखेगा। हमने देखा है कि भारतीय जनमानस में गोल्ड की तरफ आकर्षण सदा से रहा है, तथा गोल्ड की संपत्ति के रूप में ताकत हमेशा से बरकरार रही है। लेकिन खरीदी कम हो रही है, जिससे ज्वेलर्स परेशान हैं। इसके बावजूद ज्वेलर्स का विश्वास है कि गोल्ड का सदियों पुराना आकर्षण भारतीय जनमानस में आगे भी निरंतर रहने वाला है, जो सांस्कृतिक, भावनात्मक और आर्थिक रूप से गहरा जुड़ा है। हमारे देश में गोल्ड को संपत्ति के रूप में देखा जाता है, जो मुद्रास्फीति से बचाव और विरासत का प्रतीक है। सन 2025 में भी यह ताकत बरकरार है, जैसा कि वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की रिपोर्ट्स से पता चलता है कि गोल्ड ने 28 प्रतिशत सालाना रिटर्न दिया हैं। हालांकि, इसका वर्तमान में ऑल टाइम हाई कीमतें ज्वेलरी की खरीद को कम कर रही हैं, जिससे गोल्ड की कुल डिमांड गिर सकती है। वैसे माना जा रहा है कि यदि गोल्ड की खरीद कम हुई, तो कई प्रभाव होंगे, जिसमें सबसे पहला प्रभाव यही होगा कि इसके रेट भारत में और बढ़ेंगे।

साफ तौर पर दिख रहा है कि गोल्ड के रेट बढ़ते रहने से ज्वेलरी इंडस्ट्री प्रभावित होगी, क्योंकि ज्वेलर्स की कमाई कम होगी, तो रोजगार के अवसर कम हो सकते हैं, छोटे व्यापारी मुश्किल में पड़ेंगे और बाजार कुछ वक्त के लिए परेशानी में रहेगा। लेकिन इनवेस्टमेंट डिमांड बढ़ सकती है, क्योंकि जनमानस में गोल्ड का आकर्षण तो रहेगा, लेकिन ज्वेलरी के बजाय वह आकर्णष बुलियन में बदल सकता है, डिजिटल गोल्ड या बॉन्ड्स की तरफ भी शिफ्टिंग हो सकती है। लॉन्ग टर्म में, गोल्ड की ताकत बरकरार रखते हुए अर्थव्यवस्था संतुलित हो सकती है, लेकिन शॉर्ट टर्म में उपभोक्ता सेंटिमेंट कैशियस रहेगा। वर्तमान हालात में गोल्ड के रेट्स के बढ़ते रहने का विश्लेषण यही है कि गोल्ड की ताकत बरकरार रहेगी, तेजी भी बरकरार रहेगी। हालांकि आने वाले कुछ समय तक के लिए इसकी डिमांड ज्वेलरी में धीमी पड़ सकती है। मगर, इस साल के अंत तक गोल्ड और महंगा महंगा हो सकता है, क्योंकि बाजार के तथ्य यही है कि गोल्ड में तेजी से ज्वेलर शांत हैं, लेकिन आश्वस्त हैं कि गोल्ड की चमक फीकी नहीं होगी, इसी कारण बाजार धीमी ग्राहकी से उभरेगा, भले ही इसके रेट्स बढ़ते रहें।

मनोज जैन
शांती गोल्ड इन्टरनैशनल लि.

गोल्ड के रेट्स मेंहाल के दौर में दिख रही तेजी और लगातार हो रही बढ़ोतरी सन 2025 में दुनिया भर के देशों के बीच छीड़ी आर्थिक व राजनीतिक अस्थिरता, दुनिया भर के सेंट्रल बैंकों की लगातार खरीदी और विभिन्न अनिश्चितताओं से प्रेरित है, जो जारी रहने की संभावना है।

रिंकु बाफना
लक्ष्मी गोल्ड

वर्तमान में 1 लाख 6 हजार के पार पहुंच चुकी गोल्ड की कीमतों को, फेडरल रेट कट्स से कुछ और बूस्ट अप मिल सकता है। कुछ और तेजी के साथ इस साल के अंत तक गोल्ड 1 लाख 15 हजार तर पहुंच सकता है, मगर नीचे उतरा तो 1 लाख के आसपास भी रह सकता है।

कांतिलाल सोलंकी
संगम चेन्स एन ज्वेल्स

गोल्ड मार्केट के एक्सपर्ट्स कहते हैं कि यदि ट्रेड वॉर्स बढ़ा, तो गोल्ड इंटरनेशनल मार्केट में प्रति औस 3700 अमरीकी डॉलर का आंकड़ा भी पार कर सकता है। लेकिन अगर ऐसा नहीं हुआ, तो जहां है, वहीं स्थिर भी रह सकता है। मतलब साफ है कि गोल्ड सस्ता होना संभव नहीं है।

SILVERIO

Silverio Artesa Pvt. Ltd.

The Finest Quality in 92.5 Silver Jewellery

Shop. 220/224,2, 2nd floor, Harbilas Building, Kalbadevi Road, Opp. Abhinandan Market, Near G9 Clothing, Mumbai-400002
Office: 022- 49701485, 9867271456 +91-910780-0700

Raju Kothari | Akrant Kothari - 98192 07704 | Ketan Kothari - 79001 23190
R. Kothari & Co. Jewellers
81, Chandra Darshan Building, Office No. 10, 3rd Floor, Dhanji Street, Zaveri Bazar, Mumbai-400 003
022 61834463 / 61834783 +91 7738274115 | I.com : 4463 / 4783
e-Mail : rkotharijewels@gmail.com | Website : www.rkotharijewels.com

ADN
THE MARK OF GUARANTEE & CREATION

Aradhana
JEWELLERS PVT. LTD.

WE HAVE RELOCATED
Expanding to serve you better

Office no. 201, 2nd Floor, ADN House, Bldg no. 157/165, Sheikh Memon Street, Zaveri Bazar, Mumbai - 400002.
Karan Surana - 9820604171 / **Aryan Surana** - 9820204171, **Landline** - 23405500 / 23475500, **Intercom** - 4148
eMail : aradhanajewellerspvtltd@gmail.com | www.aradhanajewellers.com

THE HOUSE of SILVER EMPORIUM

SILVER • GOLD • DIAMONDS

SILVER EMPORIUM

GIRVÁAN

A STORY of GOLD

DIARAH

DIAMOND JEWELS

SILVER EMPORIUM • 232/234, Chamber Bhavan, 1st Floor
Kalbadevi Road, Mumbai 400002 • info@silveremporium.in

दुनिया भर में ज्वेलरी का बढ़ता बिजनेस

भारतीय ज्वेलर्स को भी अपनी सोच विकसित करना जरूरी

भारतीय ज्वेलरी उद्योग वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है, और इसका सालाना एक्सपोर्ट लगातार बढ़ रहा है। ज्वेलरी बिजनेस में एक्सपोर्ट करने वाले बड़ी कमाई कर रहे हैं एवं अपना बिजनेस भी लगातार बढ़ा रहे हैं। भारतीय ज्वेलरी की पहचान दुनिया भर में कायम हो रही है तथा इसमें जो ज्वेलर्स दिल, दिमाग और दूरदर्शिता से काम कर रहे हैं, वे छोटे व मझोले ज्वेलर्स के लिए नए मानक गढ़ रहे हैं। माना कि गोल्ड व सिल्वर दोनों ही महंगे होते जा रहे हैं, लेकिन जो वक्त के साथ आगे नहीं बढ़ेगा, समय के साथ स्वयं को नहीं बदलेगा, उसे तो समाप्त ही होना है, यही प्रकृति का नियाम है। अतः गोल्ड व सिल्वर के तेजी से बढ़ते रेट्स के बीच सर पर हाथ धर कर, ग्राहकी न होने व धंधा नहीं होने का रोना रोते तो नहीं रहा जा सकता। सभी को किसी भी हाल में बिजनेस तो करना ही है, साथ ही अपने बिजनेस को विकसित भी करना है। इसलिए ज्वेलरी के क्षेत्र में हर स्तर के ज्वेलर को हर स्तर पर अपनी अपनी क्षमता के अनुरूप नए आयाम स्थापित करने होंगे। क्योंकि दुनिया भर के देशों में भारतीय ज्वेलरी की दीवानगी सर चढ़ कर बोल रही है।

भारतीय ज्वेलरी एक्सपोर्ट बिजनेस का भविष्य उज्ज्वल है। गोल्ड व सिल्वर के रेट्स चाहे कितने भी बढ़ जाएं, दुनिया भर में भारतीय ज्वेलरी के प्रति दीवानगी देखते हुए वर्तमान हालात में यह स्पष्ट है कि यह उद्योग भारतीय अर्थव्यवस्था का एक मजबूत स्तंभ बन गया है। भारतीय ज्वेलरी का लगातार बढ़ता एक्सपोर्ट न केवल भारत की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रही है, बल्कि दुनिया भर में भारतीय कारीगरी और डिजाइन की मांग को भी दर्शाती है। जेम एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी) द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, भारत का ज्वेलरी एक्सपोर्ट सालाना आधार पर उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज कर रहा है।उदाहरण के लिए, 2023-24 में भारत के कुल एक्सपोर्ट में जेम एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा। इस वृद्धि का मुख्य कारण डायमंड, गोल्ड ज्वेलरी, सिल्वर ज्वेलरी और रंगीन रत्नों की बढ़ती वैश्विक मांग है। विशेष रूप से, कट और पॉलिश किए गए डायमंड के एक्सपोर्ट में भारत की वैश्विक हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से अधिक है, जो इसे इस क्षेत्र में एक निर्विवाद लीडर बनाता है।इस वृद्धि का एक जो सबसे प्रमुख कारण है, वह यही है कि भारतीय ज्वेलर्स द्वारा अपनाई गईआधुनिक तकनीक और इंटरनेशनल मानकों के प्रति उनका समर्पण। ज्वेलरी के क्षेत्र में, अब भारतीय ज्वेलर्स केवल पारंपरिक डिजाइन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे टाइमलेस और वेस्टर्न फ्यूजन डिजाइनों पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जो अमेरिका, यूरोप और मध्य पूर्व जैसे बाजारों में अधिक चलन में हैं। इससे भारत के ज्वेलरी बिजनेस की संभावनाएं और भी तेजी के साथ लगातार बढ़ रही हैं। छोटे और मध्यम स्तर के ज्वेलर्स भी अब ई-कॉमर्स और ऑनलाइनप्लेटफॉर्म केजरिए वैश्विक ग्राहकों तक पहुंच बना रहे हैं, जिससे उनके बिजनेस का दायरा केवल घरेलू बाजारों तक सीमित नहीं है। सरकार की ज्वेलरी एक्सपोर्ट समर्थन नीतियां औरविशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) भी इसके विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। ये सभी कारक मिलकर भारतीय ज्वेलरी उद्योग के लिए एक मजबूत और टिकाऊ भविष्य का निर्माण कर रहे हैं।

ज्वेलरी का बिजनेस दुनिया भर में बढ़ रहा है। भारतीय ज्वेलरी की दुनिया दीवानी है। गोल्ड व सिल्वर के लगातार बढ़ते रेट्स के बावजूद भारत में बनी ज्वेलरी का समस्त विश्व में बिजनेस बढ़ रहा है। जिससे भारत में रोजगार के अवसरों का विकास हो रहा है, व्यापारिक विकास की खुशहाली बढ़ रही है।

भारत में कई ज्वेलर्स बिजनेस के मामले में केवल अपने शोरूम तक ही सीमित रहते हैं और स्थानीय ग्राहकों पर ही निर्भर करते हैं। हालांकि, ज्वेलरी के वैश्विक बाजार में अपार संभावनाएं हंह जिन्हें भुनाया जा सकता है। बड़ी सोच का बड़ा जादू का सिद्धांत भारतीय ज्वेलर्स के लिए अत्यधिक प्रासंगिक है। उन्हें अपनी सोच का विस्तार करना होगा और केवल घरेलू ग्राहकों के बजाय इंटरनेशनल मार्केट्स को भी लक्ष्य बनाना होगा। यह सिर्फ बड़े व्यापारिक घरानों के लिए ही नहीं, बल्कि छोटे और मध्यम आकार के ज्वेलर्स के लिए भी आजकल तो बेहद आसानी से संभव है। उन्हें इंटरनेशनल मानकों और डिजाइनों को अपनाना होगा। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, ई-

भारतीय ज्वेलर्स को अपनी सोच विकसित करनी होगी। भारतीय बाजारों में ज्वेलरी शो रूम लेकर बैठे ज्वेलर्स को सोचना चाहिए कि वे भी वैश्विक स्तर पर काम करें। बड़ी सोच का बड़ा जादू होता है। दुनिया के कई देशों के छोटे छोटे ज्वेलर्स भी बड़ा बिजनेस कर रहे हैं, तो इंडियन ज्वेलरी के प्रति तो हर देश में दीवानगी हैं।

महेश बाफना
भवानी गोल्ड प्रा. लि.

हर ज्वेलर को अपनी सोच को बड़ा करना होगा, तथा यह समझना होगा कि ज्वेलरी वैश्विक स्तर पर पहनी जा रही है। अतः हमें आगे बढ़ने की दिशा में सोचना होगा। इस विकास को बनाए रखने के लिए हमें स्वयं के बिजनेस के विकास प्रति भी कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए जाने चाहिए।

कॉमर्स वेबसाइट और सोशल मीडिया का उपयोग करके वे सीधे विदेशी ग्राहकों तक पहुंच सकते हैं। इसके अलावा, वे इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म पर पंजीकरण कर सकते हैं ताकि वे विदेशी आयातकों और वितरकों के साथ जुड़ सकें। सरकार की सहायता योजनाओं, जैसे कि एक्सपोर्ट प्रोत्साहन कार्यक्रमों का लाभ उठाकर वे अपने ज्वेलरी उत्पादों को विदेशों में भी बेच सकते हैं। इस दिशा में कदम उठाने से न केवल उनके व्यक्तिगत बिजनेस में वृद्धि होगी, बल्कि भारत की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी। एक छोटी सी दुकान भी अपनी अनूठी कला और डिजाइन के साथ वैश्विक बाजार में अपनी पहचान बना सकती है, यदि उसके मालिक की सोच वैश्विक हो।

भारतीय ज्वेलरी अपनी विविधता और अद्वितीयता के लिए जानी जाती है। यहां विभिन्न प्रकार की ज्वेलरी का उत्पादन और एक्सपोर्ट किया जाता है, जिनमेंगोल्ड के ज्वेलरी, डायमंड के ज्वेलरी, सिल्वर के ज्वेलरी और रंगीन रत्न शामिल हैं। इनमें से,डायमंड और गोल्ड के ज्वेलरी का एक्सपोर्ट सबसे अधिक होता है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा डायमंड कटिंग और पॉलिशिंग केंद्र है, और हमारे कट और पॉलिश किए गए डायमंड का एक्सपोर्ट कुल ज्वेलरी एक्सपोर्ट का एक बड़ा हिस्सा है। इसके बाद गोल्ड के ज्वेलरी आती हैं, जिसकी मांग अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात और हांगकांग जैसे देशों में बहुत अधिक है।भारत में लगभग20,000 से अधिक पंजीकृत ज्वेलरी एक्सपोर्टर हैं, जिनमें छोटे कारीगरों से लेकर बड़े कॉर्पोरेट घराने शामिल हैं। ये एक्सपोर्टर ज्वेलरी के क्षेत्र में अपनी विशेष विशेषज्ञता के आधार पर दुनिया भर के विभिन्न बाजारों को लक्षित करते हैं। उदाहरण के लिए, मुंबई और सूरत के एक्सपोर्टर मुख्य रूप से डायमंड पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जबकि जयपुर के एक्सपोर्टर रंगीन रत्नों और सिल्वर के आभूषणों के लिए प्रसिद्ध हैं। ज्वेलरी एक्सपोर्ट से होने वाला लाभ कई कारकों पर निर्भर करता है, जैसे कि गोल्ड और डायमंड की अंतरराष्ट्रीय रेट्स, एक्सचेंज रेट्स, और निर्माण की लागत। हालांकि, यह उद्योग भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में महत्वपूर्ण योगदान देता है।ज्वेलरी एक्सपोर्ट से होने वाला लाभ न केवल ज्वेलरी व्यापारियों की आय बढ़ाता है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती दे रहा है। ज्वेलरी बिजनेस के विकास का लाभ इसकी व्यापारिक चेन में शामिल सभी लोगों तक पहुंचता है, जिसमें बुलियन विक्रेता, कारीगर, डिजाइनर और सेल्सपर्सन और ज्वेलर्स सभी शामिल हैं।

भारतीय ज्वेलरी की सुंदरता और कारीगरी ने दुनिया भर के लोगों को आकर्षित किया है। पारंपरिक भारतीय डिजाइन, जैसेकुंदन, पोल्की, और मीनाकारी, अपनी जटिलता और बारीकियों के लिए प्रसिद्ध हैं। इसके अलावा, भारत अब फ्यूजन और समकालीन डिजाइनों में भी अग्रणी है, जो इंटरनेशनल फैशन ट्रेंड्स के साथ मेल खाते हैं। हमारे देश की ज्वेलरी की इस वैश्विक लोकप्रियता को बढ़ावा देने में इंटरनेशनल ज्वेलरी एग्जिबिशनों का बड़ा हाथ है। ये एग्जिबिशन भारतीय ज्वेलर्स को अपने उत्पादों को सीधे विदेशी खरीदारों और उपभोक्ताओं के सामने प्रदर्शित करने का अवसर देती हैं।दुनिया की सबसे बड़ी और प्रतिष्ठित ज्वेलरी एग्जिबिशन में से कुछ, जैसे हांगकांग इंटरनेशनल डायमंड, जेम एंड पर्ल शो और जेसीके लास वेगास ज्वेलरी शो जैसी एग्जिबिशन में भारतीय पवेलियन हमेशा आकर्षण का केंद्र होते हैं। इन आयोजनों में भाग लेने से भारतीय ज्वेलर्स को न केवल नए व्यापारिक संबंध बनाने का मौका मिलता है, बल्कि वे इंटरनेशनल बाजार की मांग और डिजाइन प्रवृत्तियों को भी समझ पाते हैं। इसी तरह से इंडिया में होने वाले 'इंडिया इंटरनेशनल ज्वेलरी शो' अर्थात आइआइजेएस जैसी एग्जिबिशन हमारी ज्वेलरी कोवैश्विक स्तर पर पहुंचाने में बड़ी मददगार रही है। इसके अलावा, ये एग्जिबिशन भारतीय ज्वेलरी ब्रांडों की वैश्विक पहचान स्थापित करने में भी मदद करती हैं, जिससे भारत को ज्वेलरी मेकिंग हब के रूप में मान्यता मिल रही है। इन एग्जिबिशन के अलावा, ऑनलाइन बिजनेस प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया मार्केटिंग ने भी भारतीय ज्वेलरी को वैश्विक दर्शकों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे इसकी वैश्विक पहुंच और भी व्यापक हुई है।

ज्वेलरी बिजनेस भारत में सबसे बड़े रोजगार पैदा करने वाले क्षेत्रों में से एक है। यह लाखों परिवारों की आजीविका का साधन है, जिनमें कारीगर, डिजाइनर, व्यापारी, और विक्रेता शामिल हैं।प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से, यह उद्योग लाखों लोगों को रोजगार दे रहा है।लगभग 50 लाख से अधिक लोग इस उद्योग से सीधे जुड़े हुए हैं, जिनमें से एक बड़ा हिस्सा कुशल कारीगरों का है। सूरत में डायमंड की कटाई और पॉलिशिंग में लाखों कारीगर कार्यरत हैं, जबकि जयपुर और अन्य शहरों में पारंपरिक ज्वेलरी बनाने वाले कारीगरों की संख्या भी लाखों में है। मुंबई में भी लगभग 1 लाख के आसपास कारीगर ज्वेलरी कारीगरी से जुड़े हैं। यह बिजनेस न केवल बड़े शहरों में, बल्कि छोटे कस्बों और गांवों में भी रोजगार प्रदान कर रहा है, जहां ज्वेलरी के कारीगर अपनी पारंपरिक कला को पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ा रहे हैं। बढ़ती मांग के कारण, भारत में ज्वेलरी व्यापारियों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। भारत मेंलगभग 5 लाख से अधिक ज्वेलरी व्यापारी हैं, जिनमें छोटे रिटेलर्स से लेकर बड़े ब्रांडेड शोरूम तक शामिल हैं। ज्वेलरी उद्योग का व्यापारिक विकास देश की आर्थिक खुशहाली में महत्वपूर्ण योगदान देता है। यह न केवल ज्वेलरी की घरेलू खपत को बढ़ावा दे रहा है, बल्कि एक्सपोर्ट के माध्यम से विदेशी मुद्रा भी लाता है। इस उद्योग का विस्तार कौशल विकास कार्यक्रमों को भी बढ़ावा देता है, जिससे युवाओं को आधुनिक तकनीकों और डिजाइन में प्रशिक्षित किया जाता है, जिससे उनकी रोजगार क्षमता बढ़ती है।

पारस जैन
कनक ज्वेल्स

भारतीय ज्वेलरी की कलात्मकता एवं कारीगरी विश्व मंच पर चमक रही है। हर ज्वेलर्स को अपनी सोच को वैश्विक स्तर तक विकसित करना होगा और पारंपरिक डिजाइनों के साथ-साथ आधुनिक और समकालीन डिजाइनों पर भी ध्यान केंद्रित करना होगा, ताकि बिजनेस बढ़ता रहे।

जुगराज बोहरा
मंगलमणी ज्वेलर्स लि.

रिटेल ज्वेलर्स को नई नीतियों पर काम करना चाहिए ताकि इंटरनेशनल बाजारों तक पहुंचने में उन्हें मदद मिल सके।उन्हें यह समझना होगा कि भारत ज्वेलरी एक्सपोर्ट के क्षेत्र में अपनी वैश्विक नेतृत्व की स्थिति को मजबूत कर चुका है, तो इस माहौल में वो भी आगे बढ़ सकते हैं।

श्रेयांश कोठारी
बी डी बैंगल्स

गोल्ड व सिल्वर के बढ़ते रेट्स के बीच भी ज्वेलरी इंडस्ट्रीलगातार विकसित हो रही है। इसी से हमें समझना होगा कि गोल्ड स सिल्वर के बढ़ते रेट्स रुकावट तो कतई नहीं है। यह बिजनेस भारत की आर्थिक समृद्धि के साथ साथ हर ज्वेलर केविकास को भी सुनिश्चित कर रहा है।

सोने से क्यों मुंह मोड़ रहे हैं लोग? तीन साल का चौंका रहा यह आंकड़ा

कोरोना के बाद पहली बार हुआ ऐसा

नई दिल्ली। सोने की कीमत में लगातार तेजी आ रही है। सोना नए रिकॉर्ड (1.10 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम) पर पहुंच गया। वहीं दूसरी ओर सोने की मांग में लगातार कमी आ रही है। त्योहारी सीजन की शुरुआत में सोने की डिमांड में गिरावट रक्षा बंधन से ओणम तक सोने की मांग में पिछले साल के मुकाबले 28 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, इस दौरान सिर्फ 50 टन सोने की डिमांड रही।

ज्वेलर्स का कहना है कि सोने की कीमतों में भारी बढ़ोतरी के कारण ऐसा हुआ है। पिछले साल के मुकाबले इस साल सोने की कीमत 49 प्रतिशत बढ़ गई है। ज्वेलर्स के अनुसार, इस वजह से ग्राहकों का रुझान कम हुआ है। कई लोग तो ज्वेलरी खरीदने से दूर ही रहे। जिन्होंने खरीदी भी, उन्होंने कम कैरेट और हल्के वजन वाले गहने पसंद किए। ज्वेलर्स का कहना है कि ये पिछले तीन सालों में सबसे बड़ी गिरावट है। कोविड के बाद पहली बार ऐसा हुआ है।

आईबीजेए के नेशनल सेक्रेटरी सुरेंद्र मेहता ने कहा कि ज्यादा कीमतें डिमांड को कम कर रही हैं।

सोने की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण इस त्योहारी सीजन में सोने की डिमांड में गिरावट आई है। ग्राहक कम कैरेट और हल्के वजन वाले गहने पसंद कर रहे हैं।

ग्राहकों को जो चीज दूर रख रही है, वो है कीमत में उतार-चढ़ाव। ये स्थिर नहीं हो रही है। उन्होंने ये भी बताया कि हल्के गहनों का वजन पहले 7-12 ग्राम होता था, जो अब घटकर 7-10 ग्राम हो गया है। ऐसा इसलिए है क्योंकि सोना महंगा हो गया है। ज्वेलरी कंपनी जॉय अलुक्कास के चेयरमैन जॉय अलुक्कास ने बताया कि इस सीजन में ओणम तक उनकी बिक्री 15 प्रतिशत कम हुई है। हालांकि, सोने की कीमतें बढ़ने से बिक्री का मूल्य 25-30 प्रतिशत बढ़ गया है।

त्योहारी सीजन का पहला चरण नवरात्रि और दिवाली के लिए माहौल बनाता है। इस दौरान सोने की बिक्री आमतौर पर सबसे ज्यादा होती है। इसके बाद शादियों का सीजन भी आता है। फिलहाल भारत में श्राद्ध चल रहे हैं। ये 21 सितंबर तक चलेंगे। इस दौरान हिंदी भाषी क्षेत्रों में लोग महंगी चीजें खरीदने से बचते हैं। हालांकि, वे नवरात्रि और दिवाली के दौरान डिलीवरी लेने के लिए सोना बुक करा लेते हैं। ज्वेलर्स का कहना है कि वो डिमांड भी कम हो गई है।

ज्वेलरी की डिमांड भले ही कम हुई हो, लेकिन सोने में निवेश की डिमांड अभी भी बनी हुई है। गोल्ड कॉइन बेचने वाली कंपनी मुथूट एक्सिम के चीफ एग्जीक्यूटिव केयूर शाह ने बताया कि उनके ग्राहकों में 2 से 5 ग्राम के सिक्के और 5 से 10 ग्राम की ज्वेलरी की सबसे ज्यादा डिमांड है। उन्होंने कहा कि पिछले साल के मुकाबले ये ट्रेंड अभी भी बरकरार है।

VIERA®
CZ JEWELLERY
Office no. 16-17, 1st Floor, Rajbaug Estate, 55 Tamba Kanta,
Above B Bhagat Tarachand Hotel, Pydhoni, Mumbai -400003.
Tel: 022 61838396 | I.com : 8396 | Email: orders.viera@gmail.com
+91 9167307501 | /VIERACZ | /VIERACZ

अमेरिका के 50 प्रतिशत टैरिफ से भारतीय रत्न-आभूषण क्षेत्र पर असर -संयम मेहरा

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से आयातित वस्तुओं पर टैरिफ दोगुना कर 50 प्रतिशत कर दिया है, जो रूस से तेल और हथियार खरीदने के कारण लगाया गया। इससे रत्न और आभूषण जैसे क्षेत्रों पर गहरा प्रभाव पड़ा है, जो $48.2 अरब के निर्यात को प्रभावित कर सकता है। गुजरात के सूरत जैसे केंद्रों में 1.75 लाख से 2 लाख कारीगर बेरोजगार हो सकते हैं। अठॅल इंडिया जेम एंड ज्वैलरी डोमेस्टिक काउंसिल (जीजेसी) के पूर्व चेयरमैन संयम मेहरा ने एक साक्षात्कार में कहा, भारतीय बाजार इसके लिए तैयार नहीं था। 25 प्रतिशत टैरिफ पहले लग चुका था, लेकिन अतिरिक्त 25 प्रतिशत से सूरत, मुंबई और कोलकाता के कारीगर प्रभावित होंगे। उन्होंने

वैकल्पिक बाजारों की तलाश पर जोर दिया। हम यूएई, सऊदी अरब, कतर, यूके और ऑस्ट्रेलिया में मार्केटिंग बढ़ा रहे हैं। एफटीए से इन देशों में सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। तीन से छह महीनों में अमेरिकी प्रभाव को कम कर देंगे। मेहरा ने घरेलू बाजार पर फोकस किया, भारत खुद बड़ा बाजार है, जहां 6 लाख से अधिक ज्वैलर्स हैं। एचएनआई की खरीद बढ़ी है। हम 800 टन सोना आयात करते हैं और दुनिया के सबसे बड़े हीरा निर्यातक हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फैसले का समर्थन किया। किसान और डेयरी क्षेत्र महत्वपूर्ण हैं। हम सरकार के साथ हैं, लेकिन अमेरिका से बातचीत जारी रखें।

जीजेसी अंतरराष्ट्रीय रोडशो और इन्फ्लुएंसर्स की भर्ती कर सोने के निर्यात को 5 अरब से 12-15 अरब डॉलर तक बढ़ाने की योजना बना रहा है। मेहरा ने सलाह दी- पैनिक न करें। मजबूत मार्केटिंग टीम बनाएं, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में पहुंचें। दीवाली सीजन में घरेलू बिक्री बढ़ाएं। प्रभाव 3-6 महीनों से अधिक नहीं चलेगा। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि यह टैरिफ भारतीय कारखानों पर embargo जैसा है, लेकिन वैकल्पिक मार्गों से नुकसान कम किया जा सकता है।

राजस्थान के नगीनों की चमक फीकी करेगा शुल्क

भारत से आयात होने वाले माल पर 50 फीसदी शुल्क लगाने के अमेरिकी फैसले से राजस्थान के रत्न एवं आभूषण कारोबार को भी झटका लगने की आशंका है। यह राज्य और खास तौर पर जयपुर रंगीन नगीनों और हीरों से जड़े आभूषणों के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। मगर कारोबार के जानकारों के मुताबिक ट्रंप शुल्क ने तस्वीर बदल दी है, जिसकी वजह से राजस्थान के रत्न एवं आभूषण व्यापारियों ने नुकसान की भरपाई के लिए नए बाजार तलाशने शुरू कर दिए हैं। अनुमान है कि 2024-25 में राजस्थान से 17,675 करोड़ रुपये से अधिक के रत्न-आभूषणों का निर्यात किया गया। इसमें से लगभग 3,154 करोड़ रुपये का माल अमेरिका गया। जयपुर के आभूषण निर्यातकों ने कहा कि ट्रंप शुल्क का सबसे बड़ा असर यहां रत्न-आभूषण कारोबार पर ही पड़ेगा और ऑर्डर रोकने पड़ेंगे। उन्होंने कहा, 'बदले माहौल में हमें अमेरिका को रत्न-आभूषण निर्यात करने में दिक्कत होगी। इसीलिए हम अमेरिका से शुल्क पर दोबारा विचार करने का अनुरोध कर रहे हैं। इस बीच हालात को भांपकर रत्न-आभूषण निर्यातकों ने नए बाजार तलाशने शुरू कर दिए हैं, लेकिन नई जगहों पर कारोबार जमाने में काफी वक्त लगेगा।' चोरडिया ने कहा कि दुनिया भर में रत्न-आभूषण बाजार बढ़ाने की बड़ी संभावनाएं हैं क्योंकि ऐसे कई देश हैं, जहां अभी यह कारोबार बहुत कम है। ऐसे बाजारों में दाखिल होने की तैयारी शुरू हो चुकी है। अमेरिका जाने वाले माल में जो गिरावट आएगी उसकी भरपाई नए बाजारों से की जा सकती है, लेकिन इसमें वक्त लगेगा। उन्होंने कहा, 'अमेरिकी शुल्क ने कुछ समय के लिए ही सही, हमारे कारोबार को झटका तो दिया है।'जयपुर सराफा कमेटी के अध्यक्ष कैलाश मित्तल ने कहा कि राजस्थान के आभूषण व्यापारी अमेरिकी शुल्क से हैरान तो हैं मगर ज्यादा परेशान नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'अमेरिका में भारतीय आभूषणों की अच्छी मांग है, लेकिन देखना यह है कि वहां के ग्राहक शुल्क लगने की वजह से बढ़े हुए दाम पर इन्हें खरीदने के लिए तैयार होंगे या हमें मांग में कमी झेलनी पड़ेगी।'

लाइमलाइट लैब ग्रोन डायमंड्स की 2026 तक स्टोर नेटवर्क को दोगुना करने की योजना

लाइमलाइट लैब ग्रोन डायमंड्स 2026 तक अपने स्टोर नेटवर्क को वर्तमान 50 से दोगुना करके 100 करने की योजना बना रही है। फर्म ने कहा कि उसने अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी को निवेशक ब्रांड एंबेसडर के रूप में शामिल किया है। कंपनी की 45 से ज्यादा शहरों में 50 स्टोर्स के साथ उपस्थिति है। लाइमलाइट लैब ग्रोन डायमंड्स की संस्थापक और प्रबंध निदेशक पूजा शेठ माधवन ने कहा, हम सिर्फ़ लैब-ग्रोन डायमंड श्रेणी में भाग नहीं ले रहे हैं, बल्कि इसे विकसित भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, एक अग्रणी के रूप में, प्रयोगशाला में उगाए गए हीरों की धारणा में बदलाव लाने की ज़िम्मेदारी हमारी है। 2026 तक 100 स्टोर खोलने के एक आक्रामक रोडमैप के साथ, हम पहुँच और प्रासंगिकता, दोनों को बढ़ा रहे हैं।

उन्होंने कहा, हमारा अभियान 'लेट्स गेट रियल' विलासिता के बारे में पारंपरिक मिथकों को उजागर करता है और ऐसे हीरों का आकर्षक वादा करता है जो एक उद्देश्य के साथ साहसपूर्वक चमकते हैं। शिल्पा शेट्टी ने कहा, ÷मुझे लाइमलाइट की ओर आकर्षित करने वाली बात उनकी कहानी की ईमानदारी थी। उन्होंने आगे कहा, प्रयोगशाला में उगाए गए हीरे एक स्मार्ट और ज़िम्मेदाराना विकल्प हैं।

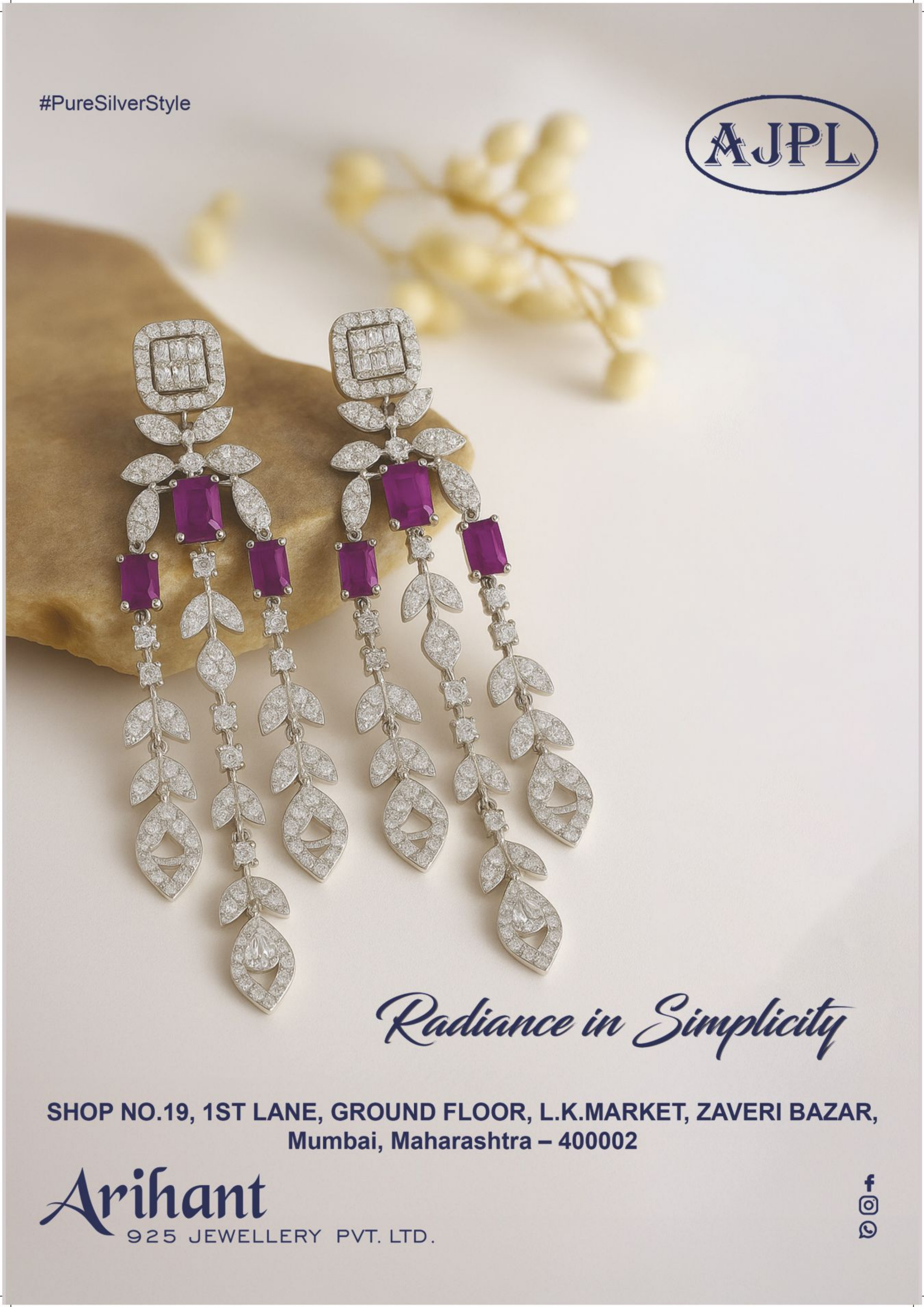
#PureSilverStyle
AJPL
Radiance in Simplicity
SHOP NO.19, 1ST LANE, GROUND FLOOR, L.K.MARKET, ZAVERI BAZAR,
Mumbai, Maharashtra – 400002
Arihant
925 JEWELLERY PVT. LTD.

आपके अटल विश्वास और अटूट प्रेम की डोर में बंधे है
हमारे नयनाभिरम्य स्वर्ण आभूषण

Sakariya Jewels

Specialist in : 916 Hallmark Gold Jewellery
& Certified Diamond Jewellery (Wholesale & Retail)

177/179, Laxmi House, Ground Floor
Near Cotton Exchange, Kalbadevi Road, Mumbai - 400 002.
Tel.: 2240 6816, 4968 6425 | I.Com: 7285

Sakariya
JEWELLERS

WHOLESALE & RETAIL GOLD EXCLUSIVE JEWELLERY

177/179, Kalbadevi Road, Laxmi House, 1st Floor
Near Cotton Exchange, Mumbai - 400 002.
Tel.: 2240 4800, 2240 4825 | Fax : 2240 1023, I.Com: 7283

गोल्ड ने 2025 में दिया 40 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न अगले साल तक कीमतें 1.25 लाख के पार जा सकती हैं

गोल्ड ने पिछले 1-2 सालों में निवेश करने वाले लोगों को हैरान किया है। सिर्फ 2025 में इसका रिटर्न 40 फीसदी से ज्यादा है। अभी साल पूरे होने में 3 महीने से ज्यादा समय बचा है। अगर गोल्ड की कीमतें इसी रफ्तार से आगे भी भागती रहीं तो निवेशकों को साल के अंत में जश्न मनाने के बड़ा मौका मिल सकता है। दुनिया में जारी उथल-पुथल को गोल्ड में तेजी का कारण माना जा रहा है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति बनने के बाद से कई ऐसे फैसले लिए हैं, जिससे ग्लोबल इकोनॉमी में अनिश्चितता बढ़ी है।

एक्सपर्ट्स का कहना है कि इस महीने अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के इंटरेस्ट रेट में कमी करने की काफी ज्यादा संभावना है। अमेरिका में आई नई जॉब रिपोर्ट्स से पता चला है कि वहां उम्मीद के मुकाबले कम नई नौकरियों के मौके बने हैं। इसके मद्देनजर कुछ एक्सपर्ट्स ने इस साल इंटरेस्ट रेट में 75 बेसिस प्वाइंट्स तक की कटौती की उम्मीद जताई है। इंटरेस्ट रेट में कमी होने पर गोल्ड की चमक बढ़ जाती है।

पिछले कुछ हफ्तों से गोल्ड की कीमतों में जारी उछाल की वजह अमेरिका में इंटरेस्ट में कमी की उम्मीद बताई जा रही है। इंटरेस्ट रेट घटने पर इनवेस्टर्स की दिलचस्पी गोल्ड में बढ़ जाती है। इनवेस्टर्स कम रिटर्न वाले बॉन्ड्स से पैसे निकाल सोने और शेयरों में लगाने

लगते हैं। इससे सोने की कीमतें बढ़ने लगती हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि दुनिया में कई देशों के केंद्रीय बैंक लगातार गोल्ड में निवेश कर रहे हैं। इनवेस्टर्स भी जियोपॉलिटिकल टेंशन को देखते हुए सुरक्षा के लिए गोल्ड में निवेश कर रहे हैं।

गोल्ड में केंद्रीय बैंकों का निवेश यूएस ट्रेजरी (अमेरिकी बॉन्ड्स) से ज्यादा हो गया है। 1996 के बाद पहली बार ऐसा हुआ है। इसका सीधा असर गोल्ड की कीमतों पर पड़ा है। दो हफ्तों से कम समय में गोल्ड बीते पांच महीने के कंसॉलिडेशन फेज से बाहर निकल गया है। खास बात यह कि छोटे देशों के केंद्रीय बैंक भी गोल्ड में निवेश बढ़ा रहे हैं। हाल में अल साल्वाडोर के केंद्रीय बैंक ने 5 करोड़ डॉलर के गोल्ड खरीदने के बारे में बताया है। पोलैंड का केंद्रीय बैंक भी लगातार गोल्ड में निवेश कर रहा है। पोलैंड अपने केंद्रीय बैंक के गोल्ड में निवेश की लिमिट 20 फीसदी से बढ़ाकर 30 फीसदी करने पर विचार कर रहा है।

दुनियाभर में इनवेस्टर्स भी गोल्ड में निवेश करने के मामले में पीछे नहीं हैं। अगस्त में दुनिया में गोल्ड ईटीएफ में 5.5 अरब डॉलर का निवेश हुआ है। यह लगातार तीसरा महीना है, जब गोल्ड ईटीएफ में जबर्दस्त निवेश आया है। इस निवेश में उत्तर अमेरिका और यूरोप के इनवेस्टर्स सबसे आगे हैं। अब तक उन्होंने इस साल 4.7 अरब डॉलर का निवेश किया है, जिससे 2025 साल 2020 के बाद गोल्ड में सबसे ज्यादा निवेश वाला दूसरा साल बन गया है।

गोल्ड में इनवेस्टर्स की बढ़ती दिलचस्पी की वजह से गोल्ड ईटीएफ का एसेट अंडर मैनेजमेंट (AUM) बढ़कर 407 अरब डॉलर पहुंच गया है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक, गोल्ड ईटीएफ की गोल्ड होल्डिंग 3,692 टन पहुंच गया है। इससे गोल्ड ईटीएफ की गोल्ड होल्डिंग नवंबर 2020 के 3,9219 टन के ऑल-टाइम हाई से सिर्फ 6 फीसदी कम रह गई है। एनालिस्ट्स का मानना है कि वैश्विक अर्थव्यवस्थआ में अनिश्चितता को देखते हुए गोल्ड के 4,000 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच जाने की उम्मीद है। गोल्डमैन सैक्स का कहना है कि अगले साल के मध्य तक गोल्ड 4,000 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच जाएगा। इसका मतलब है कि इंडिया में कीमत 1.27 लाख प्रति 10 ग्राम तक पहुंच जाएगी।

OPENING & CLOSING RATES

1-31 Aug 2025

RATE CHART

Source : India Bullion and Jewellers Association Ltd.

Note: 1. Below Rates are exclusive of VAT. 2. Opening Rates are not provided on Saturday 3. Opening and Closing Rates are not provided on Sunday's and Holidays.

Date	Gold 999 (AM Price)	Gold 999 (PM Price)	Gold 995 (AM Price)	Gold 995 (PM Price)	Gold 916 (AM Price)	Gold 916 (PM Price)	Silver 999 (AM Price)	Silver 999 (PM Price)
	10 Gms	10 Gms	10 Gms	10 Gms	10 Gms	10 Gms	1 Kg	1 Kg
07-Aug-25	100904	100703	100500	100300	92428	92244	114505	115250
08-Aug-25	101406	100942	101000	100538	92888	92463	114893	114732
09-Aug-25	SAT							
10-Aug-25	SUN							
11-Aug-25	100201	99957	99800	99557	91784	91561	114308	113501
12-Aug-25	99549	99670	99150	99270	91187	91298	113593	113313
13-Aug-25	100057	100097	99656	99696	91652	91689	114850	115275
14-Aug-25	99971	100023	99571	99622	91573	91621	115100	114933
15-Aug-25	Market Holiday							
16-Aug-25	SAT							
17-Aug-25	SUN							
18-Aug-25	99737	99623	99338	99224	91359	91255	114017	114050
19-Aug-25	99146	99168	98749	98771	90818	90838	113165	113625
20-Aug-25	98803	98946	98407	98550	90504	90635	111225	111194
21-Aug-25	98966	99147	98570	98750	90653	90819	112939	112690
22-Aug-25	99242	99358	98845	98960	90906	91012	113931	113906
23-Aug-25	SAT							
24-Aug-25	SUN							
25-Aug-25	100345	100488	99943	100086	91916	92047	116533	116133
26-Aug-25	100827	100884	100423	100480	92358	92410	116525	115870
27-Aug-25	Market Holiday							
28-Aug-25	101239	101506	100834	101100	92735	92980	116688	117110
29-Aug-25	102089	102388	101680	101978	93514	93787	117256	117572
30-Aug-25	SAT							
31-Aug-25	SUN							

सोने-चांदी की ज्वेलरी पर सरकार का बड़ा फैसला

केंद्र सरकार ने सरकार ने सोने और चांदी के चुनिंदा ज्वेलरी पर ड्यूटी ड्रॉबैक रेट बढ़ाने का फैसला किया। सरकार की ओर से अगस्त में एक गैजेट नोटिफिकेशन जारी कर इस बारे में जानकारी दी गई है। इस फैसले से बढ़ती कीमतों के बीच ज्वेलरी एक्सपोर्टर को कुछ राहत मिल सकेगी। वित्त मंत्रालय की नोटिफिकेशन के अनुसार, सोने के गहनों पर ड्यूटी ड्रॉबैक दर को 405.40 रुपये प्रति ग्राम से बढ़ाकर 466.76 रुपये प्रति ग्राम कर दिया गया है। इसके साथ ही चांदी की ज्वेलरी और अन्य चांदी की वस्तुओं पर रेट को 4,950.03 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़ाकर 5,234.00 रुपये प्रति किलोग्राम कर दिया गया है। इससे चांदी के सभी प्रोडक्ट्स पर एकसमान दरें सुनिश्चित हो सकेंगी। सरकार ने अप्रैल में सोने और चांदी के लिए ड्यूटी ड्रॉबैक दरें बढ़ाई थीं। इससे पहले, अगस्त 2024 में 2024-25 के बजट में सोने और चांदी पर सीमा शुल्क को क्रमशः 6 प्रतिशत और 15 प्रतिशत करने के बाद इन दरों में भारी कटौती की गई थी।

सोने की कीमतों में उछाल

हाल के महीनों में सोने की कीमतें बढ़ी हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया पर सोने की कीमत 10 ग्राम पर लगभग 1,00,508 रुपये तक पहुंच गई. अप्रैल में, जब सरकार ने आखिरी बार ड्यूटी ड्रॉबैक बढ़ाया था, तब सोने की कीमत 95,895 रुपये प्रति 10 ग्राम थी।

ड्यूटी ड्रॉबैक क्या है?

ड्यूटी ड्रॉबैक वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन की ओर से मान्यता प्राप्त एक प्रोग्राम है। इसे केंद्रीय इनडायरेक्ट टैक्स और इंपोर्ट ड्यूटी बोर्ड संचालित करता है। यह निर्यात को बढ़ावा देने के लिए आयात होने वाले और उत्पादन सामग्री पर लगने वाले सीमा शुल्क और उत्पाद शुल्क को वापस करता है। यह तभी होता है, जब इनका उपयोग निर्यात होने वाले सामान के लिए किया जाता है। ड्यूटी में बढ़ोतरी से निर्यातकों को बेहतर रिफंड मिल सकता है, निर्यात कीमतों को संशोधित करने और कॉन्ट्रैक्ट पर फिर से बातचीत करने में मदद मिल सकती है।

PURPLE
JEWELS PVT. LTD.
#PurpleJewels
Grace, carved in silver
BENGALURU
9844100503
CHENNAI
9841472000
MUMBAI
9920274644
HYDERABAD
9035130300

सिल्वर की लगातार निखरती चमक

सितंबर में सवा लाख पार, और इसी साल डेढ़ लाख

सिल्वर के रेट्स बहुत तेजी से बढ़ने के कारण निवेशक बेहद खुश हैं, लेकिन ज्वेलर्स के चेहरों पर चिंता की लकीरें हैं। वर्तमान में बाजार बेहद धीमा है तथा सिल्वर ज्वेलरी सेक्टर में खरीदी को लेकर असमंजस के हालात बनते जा रहे हैं। इसका सबसे अहम कारण है कि सिल्वर के रेट्स में 2025 में लगातार तेजी देखी जा रही है, जो निवेशकों के लिए भले ही बेहद लाभकारी साबित हो रही है, और इंडस्ट्रीयल सेक्टर के लिए भी सिल्वर की खरीदी महंगी पड़ रही है, लेकिन ज्वेलरी उपभोक्ताओं के लिए सिल्वर का यह दौर सर्वाधिक चुनौतीपूर्ण है। अगस्त 2025 के अंत तक भारतीय बाजार में सिल्वर की कीमतें 1 लाख 17 हजार रुपए प्रति किलो के आसपास रहीं, जो, सितंबर की शुरुआत में पहले दिन ही सीधे 5 हजार बढ़कर 1 लाख 28 हजार के आसपास पहुंच गईं। सिल्वर ने इस साल लगभग 30 प्रतिशत से भी अधिक की बढ़ोतरी दर्शाई है। भारत में, जहां सिल्वर सांस्कृतिक महत्व रखता है, यह उछाल निवेशकों को आकर्षित कर रहा है, क्योंकि सिल्वर ने स्टॉक या बॉन्ड्स की तुलना में गोल्ड की तरह ही बेहतरीन रिटर्न्स दिए हैं।

निवेशक, विशेष रूप से संस्थागत और रिटेल, सिल्वर केउज्जवल फ्यूचर में लगातारउत्सुक दिख रहे हैं, क्योंकि यह भी गोल्ड की तरह ही मुद्रास्फीति और जियोपॉलिटिकल अनिश्चितताओं से बचाव प्रदान करता है, तथा इसकी इंडस्ट्रिल डिमांड भी लगातार बहुत तेजी से बढ़ती जा रही है। हालांकि, ज्वेलरी में सिल्वर की ग्राहकी हर स्तर पर धीमी है। सिल्वर की बहुत तेजी से बढ़ती जा रही उच्च कीमतों के कारण इसकी ज्वेलरी डिमांड में 30 प्रतिशत की गिरावट है, जो कि सिल्वर इंस्टीट्यूट की अगस्त 2025 रिपोर्ट में भी उल्लिखित है। माना जा रहा है कि सिल्वर जब 1 लाख रुपए प्रति किलो क्रॉस कर रहा था, तभी इसके रेट्स ने आम उपभोक्ताओं को असमंजस में डाल दिया था। अब, सितंबर के शुरूआत में ही सिल्वर सवा लाख के पार पहुंच कर 1 लाख 28 हजार का आंकड़ा छूने लगा, तो लोग सोच रहे हैं कि अभी खरीदें या कीमतें गिरने का इंतजार करें। ज्वेलर्स को सिल्वर ज्वेलरी पर भी त्यौहारों के सीजन में डिस्काउंट्स बढ़ाने पड़ रहे हैं। एशियाई बाजारों में भी सिल्वर ज्वेलरी की डिमांड दबाव में है। हालांकि, सिल्वर में निवेशकों को खुशी है, मगर इसके बावजूद, ज्वेलरी सेक्टर में स्लोडाउन से रोजगार प्रभावित हो रहे हैं। कुल मिलाकर, बाजार में असमंजस है - सिल्वर के निवेशक लाभ उठा रहे हैं, लेकिन उपभोक्ता रेट गिरने का इंतजार कर रहे हैं, मगर सिल्वर नीचे उतरने का ना ही नहीं ले रहा। वह लगातार तेजी पकड़ता जा रहा है और सितंबर 2025 की शुरूआत में ही हैं 1 लाख 28 हजार के पार पहुंचना आने वाले दिनों में होने वाली तेजी का ताजा संकेत है।

> **सिल्वर की कीमतोंमें वृद्धि देखी गई है, जो विभिन्न विश्लेषकों के अनुसार 1 लाख 25 हजारप्रति किलो से भी अधिक तक जा चुकी है।इससे भारत में सिल्वर ज्वेलरी की कुल डिमांड घट सकती है, इस तथ्य से ज्वेलर्स में अजब तरह का डर है।**

देश के ज्वेलरी सेक्टर में साफ हालात दिख रहे हैं कि सिल्वर के रेट्स लगातार बढ़ने से ज्वेलर्स परेशान हैं, उनके माथे पर चिंता की लकीरें बढ़ रही हैं क्योंकि गोल्ड के साथ ही सिल्वर में भी ज्वेलरी की ग्राहकी नहीं हो रही है, और बिक्री के मामले में सिल्वर के गिफ्ट आइटम्स भी त्यौहारों के बावजूद तेजी नहीं पकड़ रहे हैं। ज्वेलर्स के लिए इससे बड़ी परेशानियां और क्या हो सकती हैं। बाजारों में साफ दिख रहा है कि सिल्वर के रेट्स में लगातार बढ़ोतरी से भारत के ज्वेलर्स परेशान हैं, क्योंकि ग्राहकी में भारी गिरावट आई है। बड़े - बड़े ज्वेलरी शोरूम्स खाली पड़े हैं, इंटरनेशनल लेवल के ज्वेलरी शो भी सिल्वर ज्वेलरी की ग्राहकी बढ़ाने में सफल कम साबित हो रहे हैं, क्योंकि सितंबर 2025 के शुरूआत में सिल्वर 41 अमरीकी डॉलर प्रति औंस का आंकड़ा छूने को पहुंच गया, जो भारतीय बाजार में 1 लाख 28 हजार रुपए प्रति किलो से के आसपास है। इससे वैश्विक स्तर पर ज्वेलरी डिमांड 25 से 30 प्रतिशत घट गई है।

मुख्य रूप से भारत में जहां उच्च स्थानीय कीमतें प्रमुख कारण के रूप में देखी जाती रही हैं, सिल्वर के खरीददार बेहद परेशान हैं कि कीमतें घटें, तो खरीदें। इसके साथ ही ज्वेलर्स को भी बाजार में कई परेशानियां झेलनी पड़ रही हैं। सबसे पहले, कच्चे माल की लागत बढ़ने से ज्वेलरी विक्रेताओं का मार्जिन कम हो रहा है, और ग्राहक उच्च कीमतों पर खरीदने से कतरा रहे हैं। छोटे ज्वेलर्स, जिनका जीवन यापन सिल्वर ज्वेलरी की सेल पर ही निर्भर हैं, उनको स्टॉक होल्डिंग की समस्या है क्योंकि बिक्री धीमी है, तो कमाई कहां से निकले। सिल्वर के मामले में दूसरी समस्या इसके इंपोर्ट पर निर्भरता के कारण है; जिसकी वजह से सिल्वर के हाई रेट्स का कारण इंपोर्ट बिल भी बढ़ रहा है, जो ट्रेड डेफिसिट को प्रभावित कर सकता है, क्योंकि डॉलर ज्यादा चुकाने पड़ रहे हैं। फिर ज्वेलरी सेक्टर में त्योहारों की बात करें, तो दीपावाली जैसे त्यौहार से पहले की हर साल जो डिमांड रहती है, वह इस साल उम्मीद से बेहद कम है, जिससे जमा पूंजी कम होती हो रही है। ज्वेलरी

की सेल के लिए ज्वेलर्स को डिस्काउंट्स देना पड़ रहा है, जो उनके लाभ को कम करता है। हालांकि, युवा ग्राहकों में सिल्वर ज्वेलरी की रुचि बरकरार है, लेकिन बजट की वजह से वे सस्ते विकल्प चुन रहे हैं, लाइट वेट सिल्वर ज्वेलरी खरीदी की तर झुक रह हैं। खास बात यह है कि ज्वेलरी सेक्टर में सिल्वर की खपत कम होने से रोजगार पर असर पड़ रहा है; छोटे वर्कशॉप्स में काम कम हो रहा है, कारीगर बैकार हो रहे हैं। कुल मिलाकर, ज्वेलर्स को सेल में कमी की वजह से कैश फ्लो की समस्या, बढ़ती लागत और कम बिक्री से जूझना पड़ रहा है। यदि सिल्वर की कीमतें स्थिर नहीं हुईं, तो सिल्वर ज्वेलरी सेक्टर में रिकवरी मुश्किल होगी। मगर, रेट्स कम होने आसान नहीं है, माना जा रहा है कि इस साल के अंत तक सिल्वर डेढ़ लाख का आंकड़ा छू भी सकता है, तो कोई आश्चर्य नहीं होगा।

अब सबसे बड़ी बात यह है कि ज्यादातर मार्केट एनलिस्ट इस बात पर गैर कर रहे हैं कि सिल्वर की खपत बढ़ने तथा इसके प्रोडक्शन की तहकिकात से इंटरनेशनल मार्केट में इस साल के अंत तक सिल्वर के रेट्स कहां तक जाएंगे। माना जा रहा है कि सिल्वर की खपत में वृद्धि और प्रोडक्शन में कमी से अंतरराष्ट्रीय बाजार में 2025 के अंत तक कीमतें 50 अमरीकी डॉलर प्रति औंस तथा भारतीय बाजारप में डेढ़ लाख के पार से भी और ऊपर जा सकती हैं। सिल्वर इंस्टीट्यूट के अनुसार, 2025 में ग्लोबल डिमांड 1.148 बिलियन औंस तक पहुंच सकती है, जबकि सप्लाई में 2 प्रतिशत की वृद्धि के बावजूद डेफिसिट 117.6 मिलियन औंस रहेगा। इंडस्ट्रियल डिमांड, खासकर सोलर के लगातार बढ़ते अनुसरण और इलेक्ट्रीक व्हेयीकल्स की डिमांड की वजह से, 14 प्रतिशत तक सिल्वर की डिमांड और बढ़ रही है। जबकि सिल्वर का प्रोडक्शन सालाना 835 मिलियन औंस तक ही सीमित है, जो 2016 से लगभग 7 प्रतिशत कम है। इस कारण रेट्स तो लगातार बढ़ेंगे, तता इनके किसी भी हाल में कम होने के कोई चांस नहीं है। इस असंतुलन के कारण ही सितंबर की शुरूआत में सिल्वर की कीमतें 41अमेरिकी डॉलर प्रति औंस तक पहुंच चुकी हैं, जैसा कि इंडस्ट्री की रिपोर्ट में अनुमान है कि सिल्वर का अगला लक्ष्य 45 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस तक देखा जा रहा हैं। यदि इंडस्ट्रियल डिमांड बढ़ती रही और माइनिंग आउटपुट नहीं बढ़ा, तो सिल्वर की नजह से डेफिसिट गहराएगा, और इसकी कीमतें निश्चित तौर से 45 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस तक जा सकती हैं,

राहुल मेहता
सिल्वर एम्पोरियम

सिल्वर मार्केट के विश्लेषकों का अनुमान है कि 2025 के अंत में सिल्वर 50 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस तक पहुंच जाएगी और 2028 से पहले 77 डॉलर प्रति औंस तक पहुंचेगी, तो यह भारतीय रुपए में 2 लाख रुपए भी हो सकती है। ये अनुमान पिछले 50 साल के रुझानों पर आधारित हैं।

सिल्वर में जो तेजी दिख रही है, वहवैश्विक स्तर पर इंडस्ट्रीयलडिमांड में तेज़ी और गोल्ड की तुलना में सिल्वर को अधिक सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में देखे जाने के कारण है। आने वाले वक्त में इसके रेट्स 1.5 लाख तक भी जाने की संभावना है।

जो भारत में डेढ़ लाख रुपए प्रति किलो तक इसे पहुंचाएगी। वैसे, इंटरनेशनल मार्केट में देखे, तो सिल्वर के रेट्स पर ज्यादातर एक्सपर्ट इसके और ऊपर जाने के मामले में सकारात्मक हैं। क्योंकि हालात ही ऐसे हैं। ज्यादातर एक्सपर्ट्स 2025 के अंत तक सिल्वर के रेट्स में तेजी की भविष्यवाणी कर रहे हैं, कि यह 41 से 45अमेरिकी डॉलर प्रति औंस की रेंज में रहेगा। अनुमान लगाया जा रहा हैकि सिल्वर 45 के पार भी का रुख भी देख रहा है। हालांकि, कुछ ज्यादा ही सकारात्मक सोचने वालेसिल्वर को 60 से 70 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस तक भी देख रहे हैं। अगर ऐसा होता है तो सिल्वर साल के अंत तक 2 लाख भी जा सकते हैं, लेकिन इसकी संभावनाएं बेहद कम ही है। कुल मिलाकर, सिल्वर के बाजार तेजी पर सवार है, क्योंकि इंडस्ट्रियल डिमांड बहुत तेजी पर है। वैसे, सिल्वर के रेट्स लगातार तेज रहने के वास्तविक कारणों का विश्लेषण करना बेहद आसान है, क्योंकि इसकी इंडस्ट्रील खपत बहुत तेजी से बढ़ती जा रही है। फिर,ज्वेलरी इंडस्ट्री के लिए अच्छी बात यह है कि भारतीय युवाओं में ही नहीं, दुनिया भर के युवा जगत में सिल्वर की तरफ आकर्षण तथा उसकी ज्वेलरी में रुचि बरकरार है। सिल्वर के रेट्स की तेजी के पीछे इंडस्ट्रियल डिमांड, सप्लाई डेफिसिट और जियो पॉलिटिकल फैक्टर्स खास काम कर रहे हैं। सोलर और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स की वजह से सिल्वर की डिमांड दुनिया भर में लगभग 14 प्रतिशत से भी ज्यादा बढ़ी है। जिसमें रेट कट्स और कमजोर अमेरिकी डॉलर का हालभी सपोर्ट कर रहा हैं। फिर, भारतीय युवाओं में सिल्वर ज्वेलरी की रुचि बरकरार रहेगी, क्योंकि यह अफोर्डेबल भी है और ट्रेंडी भी है। सन 2025 में जेमस्टोन के साथ सिल्वर बेहद पॉपुलर होवे की तरफ बढ़ रहा है, जेंडर-न्यूट्रल डिजाइन्स भी इसमें काफी बड़े पैमाने पर बढ़ रहे हैं। हालांकि, सिल्वर की उच्च कीमतें ज्वेलरी में इसकी डिमांड को थोड़ा बहुत प्रभावित कर सकती हैं, लेकिन सिल्वर ज्वेलरी की अपील सदा बनी रहेगी।

सिल्वर के सीन को ताजा हालात में देखें, तो बाजारों के निष्कर्ष के रूप में, केवल यही कहा जा रहा है कि वर्तमान हालात में सिल्वर के रेट्स के बढ़ते रहने की तरफ ही रहेंगे। आने वाले समय में इस साल के अंत तक सिल्वर और भी महंगा हो सकता है, क्योंकि बाजार के वर्तमान हालात इसकी तथ्यों के साथ पुष्टि करते दिख रहे हैं। माना जा रहा है कि दुनिया की कोई बी ताकत सिल्वर के रेट में कमी नहीं ला सकती, क्योंकि इसके ज्वेलरी तथा असैट वैल्यू के अलावा ज्यादा उपयोग हो रहे हैं। इसी कारण सिल्वर के रेट्स इंडस्ट्रियल डिमांड और डेफिसिट की वजह से बढ़ रहे हैं, जो दौर लगातार जारी रहेगा। वर्तमान में सिल्वर की कीमतें 41अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर हैं, तथा ये कीमतें 45अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के पार तक भी जा सकती हैं। यदि डेफिसिट गहराया, तो इससे आगे भी सिल्वर और महंगा हो सकता है। मतलब साफ है कि सिल्वर इसी साल डेढ़ लाख रुपए प्रति किलो तक पहुंचेगा, भले ही भारत में इसकी डिमांड कम हो, लेकिन ग्लोबल फैक्टर्स इसे तेजी की तरफ ड्राइव करेंगे।

दिनेश कोठारी
विनायक एक्सपोर्ट

जब गोल्ड का प्रदर्शन अच्छा होता है, तो सिल्वर का प्रदर्शन भी अच्छा होता है। सिल्वर खरीदना एक अच्छा निवेश है क्योंकि इसे एक मूल्यवान संपत्ति माना जाता है। गोल्ड की तरह ही सिल्वर भी हमेशा से ही भरोसेमंद निवेश रहे हैं और इसका मूल्य सदियों से कभी कम नहीं हुआ है।

इन्द्रजीत सुराणा
सुराणा सिल्वर

इस साल 2025 में सिल्वर की कीमतों में बहुत तेज वृद्धि हुई है। मैं कहता रहा हूं कि सिल्वर के रेट्स 1.20 लाख से 1.25 प्रति किलोग्राम से आगे तक जा सकते हैं, तो वह तो हो गए। अब इसके आगे की संभावना यह है कि इसके डेढ़ लाख रुपए प्रति किलो तक जाने के आसार पक्के हैं।

मनोज शोभावत
आनंद दर्शन सिल्वर्स

सिल्वर में तेजी का सबसे बड़ा कारण इसकी इंडस्ट्रीयल डिमांड में तेज़ी और आकर्षक सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में होना है। सिल्वर की आपूर्ति कम है। सिल्वर खनन कंपनियों का कहना है कि इसकी सप्लाई कम हो सकती है, तो, निश्चित तौर से कीमतों में उछाल जरूर आएगा।

ANSAA
JEWELLERS (P) LTD.

Office No. 23 & 24 2nd Floor, 118, Kansara Chawl Co-op. Hsg. Society Limited
Kalbadevi Road, Near Surti Hotel, Bhuleshwar, Mumbai-400 002.
Tel.: +91 (22) 22411244 / 1245 / Email : kantipshah@gmail.com
Website : www.ansaajewellers.com Intercom : 4003 & 3607

Shashwat
Ornaments
Purity. Finnese. Luxury
(Diamond Jewellery Unit)

SANGAM
CHAINS N JEWELS
(Unit of Shashwat Ornaments Pvt. Ltd.)
(Gold Jewellery Unit)

Head Office : G4 Melestar House, 2nd Floor, MIDC Cross Road, A, Near Marol Bus Depot, Andheri (East), Mumbai-400093
Branches : DD Jewels Market, 4th Floor, 1st Agyari Lane, Zaveri Bazar, Opp. Khau Galli, Mumbai-400003
Branches : Thrissur (Kerala), BDB BKC (Mumbai)

Reva®

LIGHT AS A FEATHER

CZ AND PLAIN CASTING DESIGNER JEWELLERY

+91 7977384013

GOREGOAN WEST, Mumbai-400104,
Maharashtra, , India.

REVA.DESIGNER.JEWELLERY

Marvi

BY AJIT JAIN

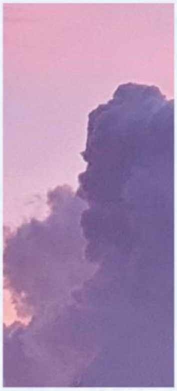

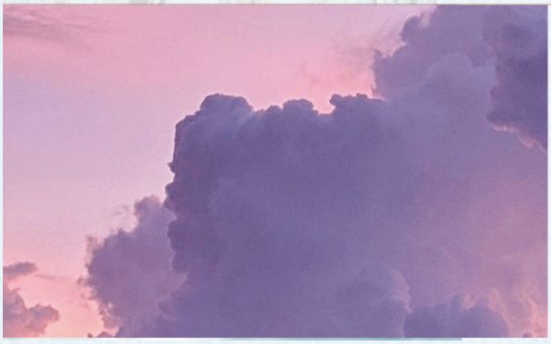

IAMONDS • SWISS BLUE TOPAZ • 18K GOLD • GEM

The Meeting of Skies Collection

MARVI BY **MANAK PROCESSORS PVT LTD** IS A **DIAMOND JEWELLERY** BRAND WITH NATURAL SEMI-PRECIOUS STONES. JEWEL SO RARE WE HAVE 25+ patents. We love jewellery and this is our way to prove to the world what indian craftsmanship is capable of.

MARVIINDIA

+919167079597

DL LAKHANI

Dewang Lakhani
9819384241

Beyond Celebrations...

With Best Compliments From

- LAKHANI CATERERS
- LAKHANI TRADERS
- LAKHANI CATERING
- LAKHANI HOSPITALITY
- NITYA INC

LD Lakhani Decorator

Rajesh Lakhani
9820084241

OUR PANEL : • **SAYA RESORT** (BHIWANDI) •**TULIP STAR** (JUHU, VILE PARLE W) •**NSCI**(WORLI) • **QUEENS LAWN** (BORIVILI W)

OUR ASSOCIATES • **BAYVIEW** (MAZGAON) • **KUTCHI GROUND** (BORIVILI W) • **PARSEE GYMKHANA** (MARINE DRIVE) • **KORA KENDRA GROUND** (BORIVILI W) • **WILSON GYMKHANA** (MARINE DRIVE) • **PUSPANJALI GROUND** (BORIVILI W) • **ISLAM GYMKHANA** (MARINE DRIVE) • **SRPF GROUND** (JOGESHWARI E) • **SOMAIYA GROUND** (GHATKOPAR) • **JVPD** (JUHU,VILE PARLE W)

MOGRA Banquet by D Lakhani Hospitality / Rajiv Gandhi Institute, Versova Link Road, (Andheri West).

BANQUET • CATERING • DECOR • HOSPITALITY

LAKHANI BANQUET

Managed By D Lakhani Hospitality
(Malad West)

Address: Office No 6, 1st Floor, kutch Castle Building, Opp.Tiwari Sweets,Opera House, Mumbai - 400004.

Follow Us On D LAKHANI HOSPITALITY http://dlakhanihospitality.com/

MANISH SONI
+91 98207 76844

Ramjivanlal Soni

AMIT SONI
+91 98207 70094

A-1401, Aaditya Pearl, 14th Floor, P H Purohit Lane,
Cavel 1st X Lane, Ramwadi, Kalbadevi, Mumbai-400 002.

84620 09009 | 2201 1313 / 2201 1312
mlkjewels2015@gmail.com | ramashajewels @gmail.com
Follow us on : ramashajewels/

WE HAVE NO OTHER BRANCHES

★★★ FREE HOME DELIVERY ★★★

NAKODA®

Pure Ghee, Edible Oils & More...

SINCE 1978

SATTVIK VERIFIED · 100% VEGETARIAN · QUALITY ASSURANCE

NATURAL KHAO... DIL SE APNAO...®

श्रेयस की पसंद

शुद्धता, खुशबू और पोषण से भरपूर

- नाकोडा देसी घी

DAIRY SPECIAL
Pure Ghee

DAIRY TAAZA
Cow's Pure Ghee

89288 82457 / 85915 62269 / 89285 86181 / 91377 56585

GHEE AND OIL AVAILABLE IN ALL SIZES AT YOUR DOOR STEP

NAKODA TRUSTED QUALITY OVER 35 YEARS

M/s. KEWALCHAND VINODKUMAR

K.B. Products Pvt. Ltd.

Customer Care: 09819475175 | Website: www.gheetel.com | E-mail: info@gheetel.com

/nakodagheetel | An ISO 22000:2018 & HACCP Certified Company

दुनियाभर में कच्चे हीरे की कमी से डायमंड इंडस्ट्री परेशान
हीरे की कीमत में 35 प्रतिशत तक का इजाफा

सोने के भाव में तेजी के बाद अब हीरे की चमक भी तेज होने वाली है। दरअसल, वैश्विक तेजी के कारण सोना और चांदी की कीमत फिलहाल ऑल टाइम हाई लेवल पर पहुंची गई है। अब हीरे की कीमत में भी जोरदार तेजी आने की आशंका जताई जा रही है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में कच्चे हीरे की कीमत में करीब 40 प्रतिशत तक का इजाफा हो सकता है। ऐसा होने पर फिनिश्ड हीरे और हीरे से बने जेवरात की कीमत में भी जोरदार उछाल सकता है।

ज्वेलरी पहनने के शौकीन लोगों को अब अपने शौक को सीमित करने पर मजबूर होना पड़ सकता है।आपको बता दें कि दुनियाभर में फिलहाल हर साल 80 से 85 लाख कैरेट कच्चे हीरे की मांग है। लेकिन सप्लाई के मोर्चे पर फिलहाल 70 से 72 लाख कैरेट कच्चे हीरे की ही उपलब्धता हो पा रही है। ऐसी स्थिति में पिछले 6 महीने में ही कच्चे हीरे की कीमत में 35 प्रतिशत तक का इजाफा हो चुका है। माना जा रहा है कि पिछले 20 से 25 सालों के दौरान कच्चे हीरो के दोहन में काफी तेजी आई है, जिसकी वजह से जिन खदानों से पहले हीरे निकाले जाते थे, वहां से ज्यादातर हीरे निकाले जा चुके हैं। अब इन खदानों से हीरा निकाले में अधिक मेहनत और पैसा दोनों लग रहा है।

फिलहाल जिम्बाब्वे में दुनिया का सबसे बड़ा हीरे का भंडार बचा हुआ है। ऐसा भी सिर्फ इसलिए है, क्योंकि वर्ल्ड डायमंड काउंसिल की पाबंदी की वजह से जिम्बाब्वे के हीरे को अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेचने पर रोक लगी रही। एक अनुमान के मुताबिक जिम्बाब्वे में हीरे का इतना बड़ा भंडार मौजूद है कि वहां की खदानों से सालाना 15 लाख कैरेट कच्चा हीरा मिल सकता है।

कच्चे हीरे की सप्लाई में कमी होने से भारत जैसे देश में भी संकट की स्थिति बन सकती है। हीरे की कटिंग के मामले में भारत दुनिया भर में सबसे ऊंचा स्थान रखता है। सूरत में दुनिया भर में सबसे अधिक हीरे की कटिंग का काम होता है। जानकारों का कहना है कि अगर कच्चे हीरे की सप्लाई में कमी आई तो इसकी कीमत में और भी अधिक उछाल सकता है जिसकी वजह से फिनिश्ड हीरे की कीमत में भी काफी तेजी आ सकती है। इसके साथ ही कच्चे हीरे सप्लाई में कमी होने से डायमंड कटिंग के काम में लगे लोगों के सामने रोजगार का संकट भी बन सकता है।

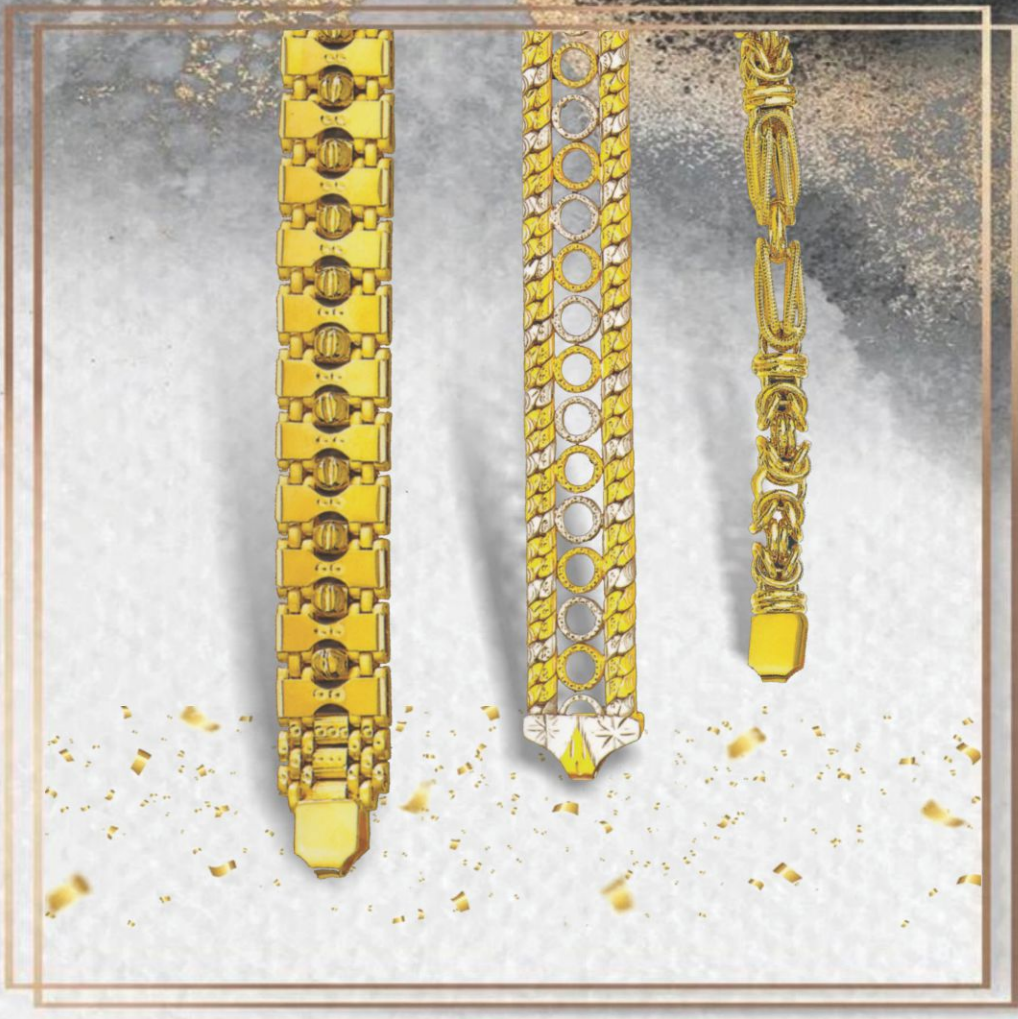

• M. V. Jain
93222 26413

• Pravin M. Jain
98200 63687

Shree vardhaman
JEWELLERS

MFG. & WHOLESALERS OF :

ALL TYPES OF MACHINE CHAINS & ORNAMENTS

8, 1st Floor, Ladiwala Chambers, 11-13, Shaikh Memon Street Mumbai - 400 002. INDIA.
Tel.: 022 2242 6010 / 022 2242 3989 98200 63687 • Email : shreevardhamanjew@gmail.com

सोने का राजतिलक 30 साल में पहली बार

ट्रंप की क्यों बढ़ेगी टेंशन?

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बड़ा बदलाव आया है। सोने ने अमेरिकी ट्रेजरी को पीछे छोड़ दिया है। केंद्रीय बैंकों के भंडार का बड़ा हिस्सा अब सोना है। केंद्रीय बैंक सोने को ज्यादा महत्व दे रहे हैं। उन्हें डॉलर पर कम भरोसा है। सोना सुरक्षित निवेश माना जा रहा है। केंद्रीय बैंक सोना खरीदते रहेंगे तो इसकी कीमत बढ़ेगी।

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ा बदलाव आया है। लगभग 30 सालों में पहली बार सोने ने अमेरिकी ट्रेजरी को पीछे छोड़ दिया है। अब यह केंद्रीय बैंकों के भंडार का एक बड़ा हिस्सा बन गया है। यह सोने में बड़ा और लंबे समय का निवेश है। दरअसल, केंद्रीय बैंक सोने को ज्यादा तवज्जो दे रहे हैं। उन्हें कागजी मुद्रा खासतौर से डॉलर पर कम भरोसा है। वे सोने को सुरक्षित निवेश मानते हैं। अगर केंद्रीय बैंक सोना खरीदते रहेंगे तो इसकी कीमत और भी बढ़ सकती है। इस पर हर निवेशकों को ध्यान देना चाहिए। सोने ने फिर से अपना दबदबा बना लिया है। अब यह केंद्रीय बैंकों के विदेशी मुद्रा भंडार का 20 प्रतिशत है। इसने यूरो को पीछे छोड़ दिया है, जिसका हिस्सा 16 प्रतिशत है। 1996 के बाद पहली बार सोने ने यूएस ट्रेजरी को भी पीछे छोड़ा है। यह बदलाव सिर्फ एक दिखावा नहीं है।

डॉलर पर घटते भरोसे का संकेत

यह बदलाव कागजी मुद्रा (फिएट करेंसी) में घटते विश्वास को दिखाता है, खासकर अमेरिकी डॉलर में। अमेरिकी डॉलर अभी भी वैश्विक भंडार का 46 प्रतिशत है। लेकिन, यह लगातार कम हो रहा है। 2025 में डॉलर पहले ही लगभग 10 प्रतिशत गिर चुका है। यह अमेरिका की टेंशन बढ़ाने वाला संकेत है। केंद्रीय बैंकों ने सोना खरीदने की होड़ लगा दी है। 2022 से वे हर साल 1,000 टन से ज्यादा सोना खरीद रहे हैं। यह 2020 से पहले की तुलना में दोगुना है। इस लगातार मांग के कारण सोने की कीमतें आसमान छू रही हैं। सोने की कीमत अब तक के सबसे ऊंचे स्तर 3,592 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई है। इस साल अकेले ही इसमें 36 प्रतिशत की बढ़त हुई है।

अमेरिका के बगिड़ रहे हैं हालात

निवेशकों के लिए यह स्पष्ट संकेत है। सोना सिर्फ एक बचाव नहीं है, बल्कि यह अब एक जरूरी चीज बनता जा रहा है। गोल्डमैन सैक्श का अनुमान है कि अगर यूएस ट्रेजरी मार्केट का सिर्फ 1 प्रतिशत भी सोने में बदल जाए तो कीमतें 5,000 डॉलर तक पहुंच सकती हैं। यह मौजूदा स्तर से 43 प्रतिशत ज्यादा होगा। भारत में आईसीआईसीआई बैंक ने मध्य 2026 के लिए 1,25,000 रुपये का टारगेट रखा है, जो आज के रिकॉर्ड 1,07,920 से ज्यादा है।

यह तेजी का माहौल फेड की स्वतंत्रता में बढ़ते अविश्वास और बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच आया है। यूरोपैक के मुख्य अर्थशास्त्री पीटर शफि ने सुप्रीम कोर्ट के संभावित फैसलों को लेकर चेतावनी दी है। उनके अनुसार, इससे फेड कमजोर हो सकता है। उन्होंने कहा कि यह पहले से ही सोने और बॉन्ड यील्ड को ऊपर धकेल रहा है। अमेरिका में नौकरियों के आंकड़े कमजोर हो रहे हैं और ब्याज दरों में कटौती की संभावना है। ऐसे में सोने की रफ्तार कम होने के कोई आसार नहीं दिख रहे हैं। व्यापार युद्धों और बढ़ते कर्ज के कारण डॉलर का महत्व कम हो रहा है। इससे सोने की मांग और भी बढ़ सकती है।

Madhuban Toyota
A fresh experience in customer delight

TOYOTA

The New House SANGAM HOUSE

awaits to welcome you

Innovation in every creation

SANGAM

HOUSE OF JEWELS

Raman Solanki Group

SANGAM HOUSE OF JEWELS LLP

Swarn House, 3rd Floor, 17/19 Dhanji Street, Zaveri Bazaar, Mumbai, 400003

+91 99200 33377

Follow us on

अमेरिकी टैरिफ से संकट में सूरत का हीरा उद्योग

इस साल डायमंड सिटी के नाम से मशहूर सूरत में एक और ज्वार उठ रहा है। यह पानी का नहीं बल्कि ऊंचे शुल्क का, जिससे त्योहारों का जश्न फीका पड़ गया है। अमेरिका के जवाबी शुल्क और जुर्माने की वजह से हीरा उद्योग से जुड़े हजारों कारीगरों की आजीविका पर संकट मंडरा रहा है और पूरा शहर सांस थामकर स्थिति की थाह लेने में जुटा है। सूरत में दुनिया भर के हीरों को तराशने का काम होता है। यहां लगभग 5,000 डायमंड कटिंग और पॉलिशिंग इकाइयां हैं जिनमें तकरीबन 8 लाख कारीगर काम करते हैं। इससे इस शहर की अहमियत का अंदाजा लगाया जा सकता है कि दुनिया में तैयार 10 हीरों में से 9 की पॉलिश यहीं होती है।

कटिंग और पॉलिशिंग इकाइयों के साथ ही हीरा कारोबारियों के लिए अमेरिका सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है। भारत में पॉलिश किए गए हर दस में से तीन से अधिक हीरे अमेरिकी रिटेल चेन में पहुंचते हैं। अप्रैल में ट्रंप प्रशासन ने भारत पर व्यापक जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की और अमेरिका में रत्न एवं आभूषण निर्यात पर 26 फीसदी शुल्क लगाया गया जो इस महीने से प्रभावी है। इतना ही नहीं रूस से तेल खरीदने की वजह से अमेरिका ने भारत पर अतिरिक्त 25 फीसदी का शुल्क लगा दिया है, जिससे कुल मिलाकर रत्न एवं आभूषण पर अमेरिका में प्रभावी शुल्क 55 फीसदी हो गया है।

उद्योग के जनकारों का कहना है कि हीरा पॉलिशिंग और कटिंग इकाइयां आम तौर पर एक अंक के मुनाफा मार्जिन पर काम करती हैं जो अमूमन 4 से 8 फीसदी के बीच होता है। ऐसे में उन पर भारी दबाव है। शुल्क के खटके के बारण कुछ दिनों से हीरों की मांग 40 फीसदी तक घट गई और कारोबारी अमेरिका में सिकुड़ते ग्राहक आधार से ऑर्डर पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

उद्योग के जनकारों का कहना है कि हीरा पॉलिशिंग और कटिंग इकाइयां आम तौर पर एक अंक के मुनाफा मार्जिन पर काम करती हैं जो अमूमन 4 से 8 फीसदी के बीच होता है। ऐसे में उन पर भारी दबाव है। शुल्क के खटके के बारण कुछ दिनों से हीरों की मांग 40 फीसदी तक घट गई और कारोबारी अमेरिका में सिकुड़ते ग्राहक आधार से ऑर्डर पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

डायमंड यूनिट फ्लोर जो आम तौर पर बॉलीवुड धुनों और पॉलिशिंग व्हील्स की आवाज़ से गुलजार रहता है, इन दिनों एक असहज खामोशी में डूब गया है और अधिकांश कारीगर झपकी लेकर समय बिता रहे हैं। बीते सोमवार को 30 वर्षीय कीर्तिभाई वाघडिया हार्ट और एमराल्ड जैसे आकार के पॉलिश किए गए हीरों की छोटी खेप पैक कर रहे थे। वाघडिया 30 कारीगरों के फ्लोर का नेतृत्व करते हैं। उनके समाने अब दो ही रास्ते बचे हैं- मांग में कमी को पाटने के लिए नए खरीदार खोजें या संकट के आगे झुक जाएं और अपने कारीगरों को वापस उनके घर भेज दें।

उन्होंने बताया, 'उत्पादन 6 महीने पहले 100 कैरेट प्रतिदिन से घटकर 70 कैरेट प्रतिदिन हो गया है। मांग में कमी की भरपाई के लिए हमें कम से कम तीन और खरीदार तलाशने की जरूरत होगी।' वाघडिया ने चेतावनी दी कि अगर गंभीर स्थिति जारी रहती है तो उनका कारोबार कम से कम 6 महीने पीछे चला जाएगा।

उद्योग अभी भी स्थिति का आकलन करने में जुटा है। अनुमान के मुताबिक हालात नहीं सुधरे तो करीब 50,000 से 3 लाख लोगों को नौकरियां गंवानी पड़ सकती है। रत्न एवं आभूष निर्यात संवर्धन परिषद के सूरत के क्षेत्रीय निदेशक रजत वाणी ने कहा, 'हम अगस्त के बाद प्रभाव की पूरी तस्वीर का अनुमान लगाने में सक्षम होंगे। आम तौर पर उसी दौरान दिसंबर की छुट्टियों और वेलेंटाइन डे के समय आपूर्ति के लिए अधिकतम मांग आती है।' वित्त वर्ष 2025 में भारत से वैश्विक बाजारों में 28.67 अरब डॉलर का रत्न और हीरों का निर्यात हुआ था जो वित्त वर्ष 2024 के 32.29 अरब डॉलर से 11.21 फीसदी कम है। वित्त वर्ष 2025 में अमेरिकी बाजार में निर्यात 6 फीसदी घटकर 9.24 अरब डॉलर रहा। संयुक्त अरब अमीरात में भी निर्यात करीब 3 फीसदी और हॉन्ग कॉन्ग में 32.24 फीसदी घटा है।

हीरा कारोबारी कीर्तिलाल शाह ने कहा, 'अमेरिका में खरीदार अब हीरे का आधार मूल्य कम करने के लिए बातचीत करेंगे ताकि शुल्क की लागत को ध्यान में रखते हुए यह अमेरिका के औसत खरीदार के लिए किफायती बना रहे। इससे हमारे मार्जिन, डिजाइन में निवेश, इकाइयों का विस्तार आदि पर असर पड़ेगा।'

शाह के अनुसार अमेरिकी शुल्क 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट और कोविड-19 महामारी के बाद उद्योग के लिए सबसे बुरा संकट है। हालांकि उद्योग के हितधारक प्रयोगशालाओं में तैयार होने वाले हीरे पर उम्मीदें टिकाए हुए हैं क्योंकि प्राकृतिक हीरे महंगे होते जा रहे हैं। रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद के गुजरात क्षेत्र के रीजनल चेयरमैन जयंतीभाई एन सांवलिया ने कहा, 'महामारी के दौरान कारोबार में मंदी आई थी। 2008 में भी मंदी थी। मगर उस समय प्रयोगशाला में तैयार होने वाले हीरे लोकप्रिय नहीं थे। आज इस तरह के हीरों की देश में भी मांग बढ़ रही है, जिससे कारोबार को कुछ सहारा मिल सकता है।' प्राकृतिक हीरे की कीमत प्रयोगशाला में तैयार होने वाले हीरे से कई गुना ज्यादा होती है। कारोबारी खाड़ी देशों, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया जैसे नए अंतरराष्ट्रीय बाजारों में संभावनाएं तलाश सकते हैं।

ज्वेलरी में इस साल क्या है नया ट्रेंड? सोना-चांदी या डायमंड

फेस्टिव सीजन की शुरुआत हो चुकी है। देशभर में गहनों का बाजार सज चुका है। एक से बढ़कर एक डिजाइनर ज्वेलरी लॉन्च हो रहे हैं। सोना-चांदी और हीरे जड़ित गहनों की डिमांड बढ़ने लगी है। फेस्टिव सीजन शुरू होने के बाद ज्वेलरी डिमांड में उछाल है। सोने की कीमतें 1 लाख के नीचे आने से डिमांड में तेजी आई है। सेफ-हेवन निवेश और ग्लोबल अनिश्चितताओं के बीच डिमांड बरकरार है। ऐसे में बाजार जानकार मान रहे है कि शादी, त्योहार सीजन में गोल्ड ज्वेलरी की बिक्री में उछाल संभव है। चांदी की कीमतें रिकॉर्ड हाई के आस-पास है।

चांदी की औद्योगिक डिमांड बढ़ने से कीमतों में गिरावट कम हुआ। इलेक्ट्रिक वाहन, सोलर पैनल और फेस्टिव सीजन से चांदी की डिमांड बढ़ी। ग्रामीण और शहरी बाजारों में सिल्वर ज्वेलरी की डिमांड बढ़ी है। सिल्वर ज्वेलरी और सिल्वरवेयर की ज्यादा डिमांड है। डायमंड ज्वेलरी की डिमांड प्रीमियम और अर्बन सेगमेंट में तेज आई। फेस्टिव ऑफर्स और डिजाइनर कलेक्शन से बिक्री को पंख लगे। लैब-ग्रोन डायमंड्स की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। लैब-ग्रोन डायमंड्स की कीमतें अफोर्डेबल हुई। लाइटवेट और कैजुअल वियर ज्वेलरी का ट्रेंड पर रहा। ऑनलाइन और ओम्नी-चैनल प्लेटफॉर्म्स पर ज्वेलरी की खरीदारी तेज रहा। इस साल क्या है ट्रेंड? शौक के साथ ही निवेश के लिए क्या रहेगा बेहतर? सोने, चांदी और डायमंड में कहां लगाएं दांव?

अमित गोयल ने कहा कि अगले 6-8 महीनों में सोने और चांदी की कीमतों में 10 प्रतिशत की गिरावट आने की उम्मीद है। इस सीज़न में भारत में आभूषणों की खरीदारी साल-दर-साल 20 प्रतिशत तक घट सकती है।

वहीं अनमोल सिल्वर के सीईओ किशोर रूनवाल ने कहा कि चांदी फिजिकल मार्केट में 1.13 लाख किलोग्राम के आसपास चल रहा है। फेस्टिवल सीजन में चांदी में कमजोरी नहीं दिख रही है। क्योंकि भारत ने 2024 में 7700 टन चांदी का आयात किया, जबकि 2025 में 5500 टन आयात हो सकता है। फेस्टिवल सीजन होने के कारण चांदी की फिजिकल मांग मजबूत होने की उम्मीद है क्योंकि फेस्टिव सीजन में अच्छा इंपोर्ट और अच्छा डिमांड आता दिखेगा। पिछले साल की तुलना में इस साल भी वॉल्यूम के लिहाज से देखें तो चांदी की डिमांड काफी अच्छी है। आने वाले 6 महीनों में भारतीय बाजार में चांदी में मंदी नजर नहीं आ रही है। उन्होंने आगे कहा कि जियोपॉलिटिकल टेंशन में नरमी के कारण इंडस्ट्रियल डिमांड कम नहीं होगी। सिल्वर आगे अच्छी डिमांड दिखा सकता है।

Finestar Jewellery & Diamonds के सीओओ नीलेश छाबड़िया ने कहा कि इस सीज़न में भारत में घरेलू हीरा आभूषणों की माँग अच्छी रहने की उम्मीद है। 14 और 9 कैरेट के आभूषणों की माँग भी बढ़ रही है। लेकिन अमेरिका को होने वाला निर्यात उच्च टैरिफ के कारण ठप पड़ा हुआ है।

क्या GST रिफॉर्म से क्या आम जनता को मिलेगी राहत?

GST सुधारों के तहत गोल्ड की कीमतों में कमी आने की संभावना है। सस्ते सोने-चांदी के गहनों की खरीदारी का इंतजार कर रहे लोगों के लिए यह खबर बहुत खास है। GST काउंसिल की 56वीं बैठक सितंबर में होगी, जिसमें कई चीजों और सेवाओं की कीमतें कम होने की उम्मीद है। पीएम मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर GST संरचना सुधारों का ऐलान किया था, जिससे आम आदमी को राहत मिलने की उम्मीद है। सरकार के ऐलान के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि गोल्ड की कीमतों में कमी आ सकती है। लेकिन क्या वास्तव में तस्ज्ञ सुधारों से आम आदमी को राहत मिलेगी या बजट और महंगाई की चुनौतियां बढ़ जाएंगी?

2 लाख रुपये प्रति किलो होने वाली है चांदी एक्सपर्ट ने कर दी भविष्यवाणी

इस साल सोने और चांदी में तेजी की रेस लगी हुई है। सोने की चमक बेशक सुनहरी बनी हुई हो, लेकिन चांदी भी पीछे नहीं है। इस साल अभी तक चांदी करीब 30 फीसदी रिटर्न दे चुकी है। एक्सपर्ट के मुताबिक चांदी जिस रफ्तार से भाग रही है, उसे देखकर लगता है कि इसका भाव जल्द ही 2 लाख रुपये प्रति किलो तक पहुंच जाएगा। देश में चांदी का इस्तेमाल सिर्फ गहनों तक ही सीमित नहीं है। मंदिर में चढ़ावे से लेकर इंडस्ट्री तक में इसका इस्तेमाल खूब हो रहा है। ऐसे में चांदी की मांग में जबरदस्त तेजी आ रही है। इस वजह से चांदी की कीमत भी फर्राटे मार रही है। जानकारों का कहना है कि सिर्फ सोने में ही नहीं, बल्कि चांदी में निवेश करना भी फायदे का सौदा हो सकता है। सीए नितिन कौशिक का कहना है कि चांदी का भाव 2 लाख रुपये प्रति किलो तक पहुंच सकता है। यह बहुत जल्द हो सकता है। उनके अनुसार, चांदी साल 2025 में लगभग 30 प्रतिशत बढ़ चुकी है और भारत में इसका भाव 1.11 लाख रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है।

चांदी की मांग बढ़ने के कई कारण हैं। सोलर एनर्जी, इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (EVs) और 5 प्रतिशत टेक्नोलॉजी में चांदी का इस्तेमाल होता है। इसके अलावा, जब दुनिया में आर्थिक अनिश्चितता होती है तो लोग चांदी को सुरक्षित निवेश मानते हैं और इसमें पैसा लगाते हैं। चांदी की सप्लाई भी ज्यादा नहीं है, इसलिए इसके दाम बढ़ रहे हैं। चांदी कई उद्योगों के लिए बहुत जरूरी है। यह इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर पैनल और मेडिकल उपकरणों में इस्तेमाल होती है। भारत में चांदी का भाव कई चीजों पर निर्भर करता है। इसमें दुनिया भर के बाजार का रुख, उद्योगों में इसकी खपत और लोगों की खरीदारी की आदतें शामिल हैं। इसलिए चांदी निवेशकों और उद्योगों के लिए एक खास चीज है।

एक्सपर्ट का मानना है कि अगले 12 से 24 महीनों में चांदी के दाम 15 से 20 प्रतिशत तक बढ़ सकते हैं। नितिन कौशिक का कहना है कि अगर चांदी की कीमत इसी तरह बढ़ती रही, तो 2 लाख रुपये प्रति किलो का भाव मुमकिन है। इनका कहना है कि जो लोग लंबे समय के लिए निवेश करना चाहते हैं, उन्हें चांदी खरीदकर रखनी चाहिए। जो लोग थोड़ा जोखिम ले सकते हैं, वे चांदी के बाजार में पैसा लगा सकते हैं, लेकिन ज्यादा कर्ज लेने से बचना चाहिए।

carron
ready made garments
Styled to steal the spotlight
Carron Clothing
Kalbadevi | Kemps Corner
Contact Number : +91 8866435435
carronclothing
carronfashion

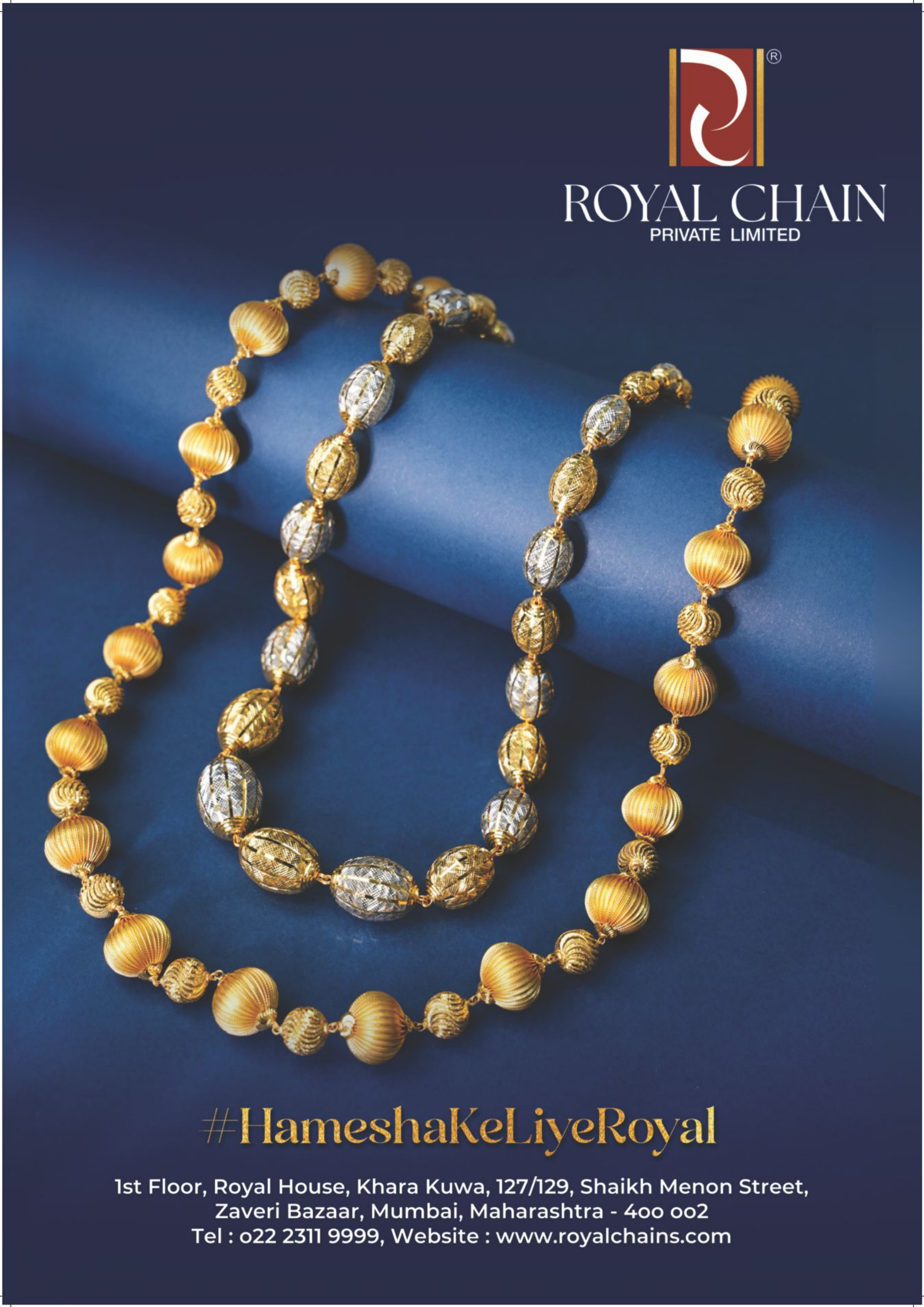
ROYAL CHAIN
PRIVATE LIMITED
#HameshaKeLiyeRoyal
1st Floor, Royal House, Khara Kuwa, 127/129, Shaikh Menon Street,
Zaveri Bazaar, Mumbai, Maharashtra - 400 002
Tel : 022 2311 9999, Website : www.royalchains.com

SAMRUDDHI
JEWELCRAFT
Crafting Happiness
"The sparkle of Gold,
the Magic of Jewellery."
samruddhijewelcraft@gmail.com
Dinesh Jain +91 9320670627|
Nikhil Jain +91 9819603187
A/1402,Aaditya Pearl, Ramwadi,
Kalbadevi Road, Mumbai- 400002

DINTARA JEWELS

Lab Grown Diamond Jewellery

a brand by **Choksi Vimal®** **Bullion LLP** *Since 1949*

Shop No. 3/4, 27, Round Chawl, Mumbadevi Road, Tambakata, Kalbadevi, Mumbai, Maharashtra - 400 002.
Intercom : 2781# | Tel.: 022 - 61832781, Email : shine@dintara.in, Web.: www.dintara.in

If undelivered Return to : 407, Kalbadevi Road, Daulat Bhavan, Office No. 203, 2nd Floor, Mumbai-400 002